RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 एक वादा पूरा हुआ...

वर्ष : 27 अंक : 267 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 15 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

वक्फ कानून बरकरार रहेगा

कुछ धाराओं पर लगाई रोक, 3 गैर मुस्लिम सदस्य ही होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ अधिनियम पर बड़ा फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कानून के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है. अदालत ने फिलहाल उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई थी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में उचित नियम बनने तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा। कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के अनुच्छेद 3(74) पर भी रोक लगा दी है। (शेष पृष्ठ-5 पर)

कुछ कानूनों पर रोक का स्वागत : मौलाना खालिद

वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर लखनऊ स्थित ईदगाह के इमाम और एआईएमपीएलबी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, 'हमारी मांग थी कि पूरे अधिनियम पर रोक लगाई जाए, लेकिन कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। हालांकि, कोर्ट ने कई प्रावधान बताए हैं, और हम कुछ प्रावधानों पर रोक का स्वागत करते हैं, जैसे कि जो व्यक्ति वक्फ करना चाहता है उसे 5 साल से मुस्लिम धर्म का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि सीओ मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए और जिला कलेक्टर को यह तय करने के लिए दी गई अधिभावी शक्तियां कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं, पर भी रोक लगा दी गई है। धारा 3 और 4 पर रोक एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है और हमें उम्मीद है कि जब भी अंतिम फैसला आएगा, हमें 100% राहत दी जाएगी।'

नोएडा पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

गौशाला का किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक आज नोएडा पहुंचे। सबसे पहले वे सेक्टर-14ए स्थित गौ आश्रय स्थल पहुंचे तथा उन्होंने गौशाला का निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के अफसरों को कई दिशा निर्देश भी दिए।

इस दौरान उनके साथ गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिलाधिकारी मेधा रूपम, नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल तथा जनस्वास्थ्य), एस पी सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग के खंड-1 के (शेष पृष्ठ-5 पर)

विधायक को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर डाली वीडियो

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक को बदनाम करने के लिए डाली गई वीडियो का मामला तूल पकड़ गया है। इस मामले में दादरी की गुर्जर कॉलोनी में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विपिन कुमार ने थाना दादरी में दो लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई है।

गुर्जर कॉलोनी निवासी विपिन कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह भाजपा का कार्यकर्ता है दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर की छवि को धूमिल करने के लिए कुछ लोग गैंग बनाकर काम कर रहे हैं। यह लोग विधायक तेजपाल नागर के खिलाफ भ्रामक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। दर्ज रिपोर्ट में विपिन कुमार ने बताया कि नई बस्ती निवासी अशोक भाटी व जैतपुर निवासी संजय रावल ने हाल ही में झूठी व भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर विधायक तेजपाल नागर की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत विधायक की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए कुछ सामाजिक तत्व सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। पुलिस का कहना है कि भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 66 डी के तहत नामजद मामला दर्ज कर लिया गया है।

जिला बदर बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा जिला बदर किए जाने के बावजूद भी घर पर रह रहे एक बदमाश को थाना दादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम अगस्त कर रही थी इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि 13 सितंबर को जिला बदर किया गया नगला नैनसुख निवासी सोनू भाटी अपने घर आया हुआ है। वह नगला नैनसुख से लुहारली टोल की तरफ होते हुए गांव की तरफ जा रहा है। पुलिस टोल प्लाजा की तरफ पहुंची इस दौरान मुखबिर ने एक व्यक्ति की तरफ इशारा कर बताया कि वही सोनू भाटी है इसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। सोनू ने बताया कि उसे 13 सितंबर को पुलिस द्वारा जिला बदल किया गया था जिला बदर होने के बावजूद भी वह अपने गांव आ गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रेप केस में फेमस हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार गिरफ्तार

गाजियाबाद (चेतना मंच)। रेप केस, पीड़ित का लखनऊ में आत्मदाह का प्रयास करने के बाद गाजियाबाद की पुलिस ने आखिरकार फेमस हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। एक्ट्रेस से रेप के मामले में उत्तर कुमार की गिरफ्तारी हुई है। गाजियाबाद पुलिस ने उत्तर कुमार को अमरोहा के फार्म हाउस से गिरफ्तार किया है। बता दें कि फेमस हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार पर गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में रहने वाली एक एक्टर्स ने उत्तर कुमार पर रेप का केस थाना शालीमार गार्डन में दर्ज कराया था। पीड़िता ने 2020 में हरियाणवी एल्बम में काम किया था। उसने उत्तर कुमार पर फिल्म में रोल दिलाने के नाम पर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया था। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न करने के बाद पीड़ित एक्टर्स ने पिछले दिनों लखनऊ में (शेष पृष्ठ-5 पर)

स्कार्पियो ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के गौर यमुना सिटी के पास तेज रफ्तार में आ रही स्कार्पियो कार के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल हुए बाइक सवार की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जनपद बुलंदशहर निवासी जगदीश शर्मा उर्फ निशांत 11 सितंबर को अपने दोस्त के घर रबूपुरा गया था। दोपहर के समय वह रबूपुरा से दनकौर होते हुए अपने घर की तरफ बाइक से आ रहा था। गौर यमुना सिटी के गेट के सामने तेज गति में आ रहे स्कॉर्पियो कार के चालक ने जगदीश शर्मा उर्फ निशांत की बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में जगदीश शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी चालक स्कॉर्पियो को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। आसपास से गुजर रहे लोगों ने घायल जगदीश शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उपचार के दौरान जगदीश शर्मा की मौत हो गई। मृतक के पिता राकेश शर्मा ने स्कार्पियो चालक (शेष पृष्ठ-5 पर)

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में दो युवकों ने एक युवक को चाकू मार कर घायल कर दिया। युवक के पिता ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। चोटपुर कॉलोनी निवासी मोतीराम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा अमन अपने दोस्त नितिन के साथ ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के पास खड़ा हुआ था। इस दौरान शिवम अपने एक अन्य दोस्त के साथ वहां आया और उनके बेटे के साथ गाली गलौज करने लगा। अमन ने गाली गलौज का विरोध किया तो शिवम के दोस्त ने उसके बेटे पर चाकू से हमलाकर उसे घायल कर दिया। अमन को चाकू मारने के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस मामले की जानकारी मिलने पर वह अपने घायल बेटे को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महिला प्रोफेसर ने ससुरालियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 में एक महिला प्रोफेसर ने अपने पति सहित पांच ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति व ससुराल वाले मायके से दहेज में 50 लाख रुपए व कार ना लाने पर उसका शारीरिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न कर रहे हैं।

सेक्टर-62 में रहने वाली रश्मि (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में इंजीनियरिंग प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उसकी शादी वर्ष 2024 नवंबर माह में हुई थी शादी के 7 दिन बाद ही उसकी सास व ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उस पर मायके से 50 लख रुपए व कार लाने का दवाब बनाया जाने लगा। उसे तीन माह तक गंदे बाथरूम का उपयोग करने के लिए मजबूर किया गया।

24 जुलाई 2025 को उसके ससुर, सास व पति ने उसके साथ मारपीट की जिससे वह बेहोश हो गई। उपचार के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया। शाम के समय जब वह अस्पताल से वापस घर पहुंची तो उसे ताला बंद मिला। उसका पति रोहित, सास गीता सिंह, ससुर अरुण कुमार सिंह, षड्यंत्र के तहत घर का ताला बंद कर चले गए। वह रातभर घर के बाहर सीढी पर अकेली बैठी रही। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति डॉ रोहित कुमार सिंह, ससुर अरुण कुमार सिंह, सास गीता सिंह, ननद रश्मि सिंह व पूजा सिंह के खिलाफ मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने दहेज की मांग करने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पड़ोसी महिला पर हथोड़े से वार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के म्यू सेक्टर में दंपति ने पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने महिला के सिर में हथोड़ा मार कर उसे घायल कर दिया। म्यू सेक्टर निवासी आशीष ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी पत्नी पूजा यादव 14 सितंबर की रात्रि को अपने घर के बाहर बैठी हुई थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले अमित कुमार ने किसी बात को लेकर उसकी पत्नी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। उसकी पत्नी ने जब इस बात का विरोध किया तो अमित कुमार मारपीट करने लगा। इस दौरान अमित की पत्नी भी मौके पर आ गई और उसने भी पूजा यादव के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसकी पत्नी के सिर में हथोड़ा मार दिया जिससे वह बेहोश होकर गिर गई। मौके पर लोगों को इकट्ठा होते देखकर दोनों पति-पत्नी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी और अपनी घायल पत्नी को दादरी के सीएससी लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद वह अपनी पत्नी को घर वापस ले आए। थाना दादरी पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर अमित कुमार व उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। (शेष पृष्ठ-5 पर)

शांति का मार्ग

लंबे समय तक अशांत रहे मणिपुर के मुद्दे पर अक्सर विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं जाते। अब वह प्रतीक्षित यात्रा हकीकत बनी है। कहा जा सकता है कि संघर्षरत राज्य की जनता के बीच विश्वास की कमी को दूर करने का यह सार्थक प्रयास जरूरी था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को शांति और समृद्धि का प्रतीक बनाने का संकल्प जताया है। लेकिन मौजूदा चुनौतीपूर्ण स्थिति सरकार के संकल्प की परीक्षा लेगी। हालांकि,लगभग ढाई साल पहले भड़की जातीय हिंसा हाल के महीनों में, खासकर फरवरी में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद कम हो गई है। लेकिन भविष्य में हिंसा की आशंका को निर्मूल नहीं कहा जा सकता है। ऐसी दशा में इस संवेदनशील राज्य में केंद्र सरकार को सामान्य स्थिति की बहाली और दीर्घकालिक शांति स्थापना के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। दरअसल,राज्य में स्थायी शांति के मार्ग में जो एक सबसे बड़ी बाधा है, वह है पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय और घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लोगों के बीच लगातार कम होता विश्वास। ऐसे में सरकार का दायित्व बनता है कि दोनों समुदायों की आकांक्षाओं में संतुलन बनाए। ताकि दोनों समुदायों की चिंता और शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। विगत में मैतेई समुदाय के लोग अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिये जाने की मांग करते रहे हैं। यह एक ऐसा विवादास्पद मुद्दा था, जिसने कुकी–जो समुदाय के लोगों में असुरक्षा व अशांति पैदा कर दी। जिसे दूर किए जाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, हाल के हिंसक संघर्ष ने राज्य में मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है। कुकी–जो विधायकों के एक समूह, जिसमें भाजपा के भी सात विधायक शामिल हैं, ने कहा है कि 'दोनों पक्ष केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं,लेकिन फिर कभी एक छत के नीचे नहीं।' उनकी मांग रही है कि गैर–मैतेई समुदायों के लिये अलग विधायिका सहित अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह सोच दोनों समुदायों के बीच गहरे मतभेद को उजागर करती है, जिसने मणिपुर को गहरी क्षति पहुंचायी है। इस पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होने में अभी डेढ़ साल बाकी है। राज्य में हिंसा की पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है ताकि विधानसभा चुनाव में देरी न हो। केंद्र सरकार को विधानसभा को लंबे समय तक निलंबित रखने के फायदे और नुकसान का भी आकलन करना होगा। लेकिन फिलहाल, प्राथमिकता के आधार पर ध्यान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास पर देने की जरूरत है। उससे भी महत्वपूर्ण, राज्य में सक्रिय चरमपंथी समूहों के लोगों को हथियार डालने के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। विकास परियोजनाओं पर काम जल्दी शुरू करने तथा उनके क्रियान्वयन में तेजी लाने से भी मणिपुर के लोगों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। ऐसे तमाम प्रयास मणिपुर के आहत लोगों की विश्वास बहाली में मददगार साबित हो सकते हैं। निस्संदेह, इस बार केंद्र सरकार की तरफ से कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि राजा ने कहा– हे मुनि! आपके चरणों के दर्शन कर मैं अपना पुण्य प्रभाव कह नहीं सकता। ये सुंदर श्याम और गौर वर्ण के दोनों भाई आनंद को भी आनंद देने वाले हैं। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

इन्ह कै प्रीति परसपर पावनि। कहि न जाइ मन भाव सुहावनि॥
सुनहु नाथ कह मुदित बिदेहू। ब्रह्म जीव इव सहज सनेहू॥

इनकी आपस की प्रीति बड़ी पवित्र और सुहावनी है, वह मन को बहुत भाती है, पर (वाणी से) कही नहीं जा सकती। विदेह (जनकजी) आनंदित होकर कहते हैं– हे नाथ! सुनिए, ब्रह्म और जीव की तरह इनमें स्वाभाविक प्रेम है॥

पुनि पुनि प्रभुहि चितव नरनाहू। पुलक गात उर अधिक उछाहू॥
मुनिहि प्रसंसि नाइ पद सीसू। चलेउ लवाइ नगर अवनीसू॥

राजा बार–बार प्रभु को देखते हैं (दृष्टि वहाँ से हटना ही नहीं चाहती)। (प्रेम से) शरीर पुलकित हो रहा है और हृदय में बड़ा उत्साह है। (फिर) मुनि की प्रशंसा करके और उनके चरणों में सिर नवाकर राजा उन्हें नगर में लिवा चले॥

सुंदर सदनु सुखद सब काला। तहाँ बासु लै दीन्ह भुआला॥
करि पूजा सब बिधि सेवकाई। गयउ राउ गृह बिदा कराई॥

एक सुंदर महल जो सब समय (सभी ऋतुओं में) सुखदायक था, वहाँ राजा ने उन्हें ले जाकर ठहराया। तदनन्तर सब प्रकार से पूजा और सेवा करके राजा विदा माँगकर अपने घर गए॥

(क्रमशः...)

नेपाल के घटनाक्रम से सबक ले भारत

इतिहास गवाह है कि लंबे समय तक बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कारणों से शोषण झेल रही जनता जब बगावत पर उतर आती है तो वह अच्छे और बुरे का फर्क भूल जाती है। ऐसे हालात ही क्रांति को जन्म देते हैं। ऐसा ही नेपाल में हुआ जहां सत्ताधारी नेता देश को भूल कर खुद का घर भरने में लग गए। देश के युवाओं का सब्र का बांध उस वक्त टूट गया जब नेपाली सरकार ने उनकी अभिव्यक्ति की आजादी छीनने का प्रयास करके जले पर नमक छिड़कने का काम किया। नेपाल में जो घटनाक्रम हुआ, उससे भारत के नेता भी सबक ले सकते हैं। देश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय गुमराह करने वाले मुद्दों पर राजनीति का नतीजा नेपाल विद्रोह है। समस्याएं जब सिर से गुजरने लगे तब ऐसे हालात पैदा होते हैं। नेपाल में नेताओं के बच्चों के ऐशो–आराम और आम परिवारों की बेबसी के बीच का भेदभाव विरोध का मुख्य कारण रहा। सोशल मीडिया पर नेपो किड, नेपो बेबी और सर्पोलिटिशियन नेपो बेबी नेपाल जैसे ट्रेंड युवाओं के गुस्से को दर्शाते हैं। नेताओं के बच्चे महंगी गाड़ियां और आलीशान सामान इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं आम युवा बेरोजगारी और प्रवासी मजदूरी की कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। नेपाल की बदहाली का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ओडिशा सरकार ने ओडिशा स्पेशल अरमेंड पुलिस में भर्ती निकाली।

इस सरकारी नौकरी के लिए 3000 से ज्यादा नेपाली छात्र झारसुगुड़ा पहुंचे हैं। हैरानी की बात यह है कि वेकेंसी सिर्फ 135 हैं। इससे नेपाल के युवाओं के हालात को आसानी से समझा जा सकता है। नेपाल के प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ इस गुस्से की वजह तो समझ आती है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवार पर हमले हैरान करने वाले रहे। इसका जवाब नेपाल में बरसों से हुए घोटालों की गर्त में छिपा है। वर्ष 1991 में नेपाली कांग्रेस सरकार ने मिस्र की कंपनी से 1.8 करोड़ डॉलर में एक वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदा। जांच में पता चला कि ये हेलिकॉप्टर पुराना और खराब हालत में था। इसकी असल कीमत भी 40 लाख डॉलर थी। जांच में पता चला कि इस डील के बाकी बचे 1.4 करोड़ डॉलर का कमीशन तत्कालीन प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला के रिश्तेदारों को मिला। ये घोटाला इतना बड़ा था कि कोइराला सरकार गिर गई और नेपाल में जमकर हंगामा बरपा। जांच के लिए कमेटी बनी, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। इसके बाद न जाने कितने ही बड़े घोटाले हुए, जिन्होंने नेपाल को दीमक की तरह खा लिया। वर्ष 1999 में नेपाल की रॉयल नेपाल एयरलाइंस ने ऑस्ट्रिया से एक बोइंग 767 विमान लीज पर लिया था। तकरीबन 4.5 करोड़ डॉलर की लागत से छह साल के लिए सौदा हुआ। लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि ये डील पूरी तरह से घपले से भरी थी। इस पर हंगामा इतना बरपा कि जनता सड़कों पर उतर आई और संसद में जमकर बवाल हुआ। वर्ष 2008 में नेपाल पुलिस को अफ्रीकी देश सूडान में मिशन के लिए, तीन करोड़ डॉलर में बख्तरबंद गाड़ियां और अन्य उपकरण खरीदे। ये गाड़ियां इतनी खराब थीं कि सूडान में मिशन ने इन्हें इस्तेमाल करने से मना कर दिया।

सरकारी नौकरियों से लेकर नौकरशाही और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी प्राथमिकता से नेपो किड्स हैं। सरकारी ठेके भी अक्सर नेताओं के रिश्तेदारों और उनके दोस्तों को मिल जाते हैं। सोशल मीडिया पर नेपोटिज्म के खिलाफ जमकर हैशटैग ट्रेंड होने लगे तो इस बीच सरकार ने कई सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन लगा दिया। इसके लिए जरूरी रजिस्ट्रेशन नहीं होने का हवाला दिया गया। ओली सरकार का यही फैसला उनके लिए नासूर साबित हुआ। साल 2015 में हुए सर्वेक्षण में भ्रष्टाचार में 168 देशों में नेपाल 130वें स्थान पर था

इस डील में नेपाल पुलिस के कई बड़े अधिकारी और मंत्री शामिल थे। नेपाल की सियासत में गहरे तक पैठ कर चुके भ्रष्टाचार ने देश में उद्योग–धंधों को चौपट करना शुरू कर दिया। निवेशकों ने दूरी बनानी शुरू कर दी। इसका सीधा असर रोजगार पर भी पड़ा। बड़ी संख्या में युवाओं ने काम की तलाश में भारत से लेकर मलेशिया और खाड़ी देशों का रुख करना शुरू किया। इससे युवाओं में धीरे–धीरे सियासत के प्रति नफरत पनपने लगी। देश में राजशाही के पतन से लेकर, माओवादी आंदोलन और लोकतंत्र का पायदान चढ़ने तक देश में सत्ता का स्वरूप तो लगातार बदलता रहा, लेकिन इस सत्ता को वही चेहरे हथियाते रहे। वही पुराने नेता, उनकी पार्टियां और उनके परिवार। नेपाल में भ्रष्टाचार इस कदर फैला है कि करप्शन के इंडेक्स में 180 देशों में वह 107वें पायदान पर है। स्थिति ये बन गई है कि हर साल बड़ी संख्या में नेपाल के युवा देश छोड़ देते हैं। युवाओं का ये कोई साधारण पलायन नहीं है बल्कि आर्थिक असमानता, लगातार सीमित हो रहे अवसर और प्रशासनिक नाकामियों का भार है, जिसे देश में ही छोड़कर लोग पलायन हो रहे हैं। बीते तीन दशक में लगभग 68 लाख नेपाली नागरिक विदेशों में काम कर रहे हैं। इनमें से 15 से 17 लाख नेपाली तो भारत में रहकर रोजी–रोटी कमा रहे हैं। एक लाख नेपाली स्टूडेंट हर साल पढ़ाई के लिए विदेश का रुख कर लेते हैं। नेपाल में बेरोजगारी का ग्राफ बताता है कि साल 2017–2018 की तुलना में यह 11.4 फीसदी से बढ़कर साल 2022–2023 में 12.6 फीसदी हो गई है। नेपाल में आर्थिक विकास धीमा है। पिछले साल नेपाल के नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस की एक रिपोर्ट नेपाल लिविंग स्टैंडर्ड सर्वे के मुताबिक नेपाल में युवाओं के लिए नौकरी ढूंढना एक बड़ी चुनौती है।

नेपाल में खेती करने वालों की संख्या में भी गिरावट आई है। सर्वे के अनुसार खेती में नौकरी करने वालों की संख्या 70.7 प्रतिशत से घटकर 1.9 प्रतिशत हो गई है। गैर कृषि क्षेत्रों में नौकरी करने वालों की संख्या 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 56.6 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि लोग अब खेती छोड़कर दूसरे कामों में ज्यादा जा रहे हैं। युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं। भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद से लोग परेशान हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगने से युवाओं में गुस्सा था। इन सभी कारणों से युवा सड़कों पर उतर आए। नेपाल के लोग विशेष रूप से युवा भाई–भतीजावाद से भी त्रस्त हैं। नेपाल की सियासत वंशवाद में जकड़ी हुई है। नेपाली कांग्रेस से लेकर कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल), माओवादी लगभग सभी पार्टियों में नेपो किड्स की भरमार है।

संसद और प्रांतीय असेंबली में पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों और बड़े नेताओं के बच्चे और रिश्तेदारों की भरमार है। सरकारी नौकरियों से लेकर नौकरशाही और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी प्राथमिकता से नेपो किड्स हैं। सरकारी ठेके भी अक्सर नेताओं के रिश्तेदारों और उनके दोस्तों को मिल जाते हैं। सोशल मीडिया पर नेपोटिज्म के खिलाफ जमकर हैशटैग ट्रेंड होने लगे तो इस बीच सरकार ने कई सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन लगा दिया। इसके लिए जरूरी रजिस्ट्रेशन नहीं होने का हवाला दिया गया। ओली सरकार का यही फैसला उनके लिए नासूर साबित हुआ। साल 2015 में हुए सर्वेक्षण में भ्रष्टाचार में 168 देशों में नेपाल 130वें स्थान पर था, जो अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भी आगे था। अब नेपाल को दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद चौथा सबसे भ्रष्ट देश माना जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के नेपाल चैप्टर के एक अधिकारी ने नेपाल की इस रैंकिंग के लिए राज्य के अधिकारियों, सरकार, संसद, न्यायपालिका और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा निजी लाभ के लिए किए जा रहे दुरुपयोग को रोकने में उसकी असमर्थता को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि भारत के हालात नेपाल जितने खराब नहीं हैं, किन्तु सत्ताधारी और विपक्ष के नेताओं को एहतियात के तौर पर नेपाल से सबक लेना चाहिए।

–योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

स्वाधीन भारत और संकुचित मानसिकता?

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए, दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। भारत में स्वाधीनता के मायने कितने लोग समझ पाते हैं और कितना इसका सही और सटीक प्रयोग कर पाते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा और साक्षरता का उस देश और काल को समझने का एक कारगर हथियार हो सकता है पर भारत में मानसिक स्वाधीनता को समझना भी एक बड़ी समस्या है यह अशिक्षा जनित समस्या बहुत ही विकराल है। हम अभी भी पश्चिमी जगत की शिक्षा, कार्यशैली, विज्ञान एवं चिकित्सा पर संपूर्ण रूप से निर्भर हैं केवल एक शिक्षा ही ऐसा अस्त्र है जो स्वतंत्र भारत के नागरिकों को स्वाधीनता के महत्व को समझने में सक्षम होगा ।अतः स्वाधीन भारत के स्वतंत्र नागरिकों को शिक्षा के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वतंत्र नागरिक बनाकर देश के प्रति सजग और सचेत किया जा सकता है।

आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए,व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 78 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी में आ सका।

इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।

महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए, बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है।

हरिवंश राय बच्चन की कविता –राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती है।

लेखक–संजीव ठाकुर, चिंतक

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता की प्रबल योग बन रहे हैं। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। बहुत ही अच्छे किस्म के रसास्वादन करेंगे। स्वास्थ्य बहुत अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
सौम्यता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभ व्यक्ति माने जाएंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
खर्चों की अधिकता रहेगी। यद्यपि खर्च शुभ कार्यों में होगा लेकिन खर्च इतना की कर्ज की स्थिति आ सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। अत्यंत शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। उच्च अधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्यवर्धक दिनों का निर्माण हो रहा है। यात्रा परम सुखदायक होगी। भाग्यवश कुछ काम बनेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। हालांकि कुछ ज्ञान प्राप्ति के योग चल रहे हैं।

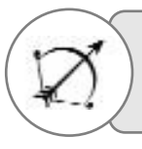

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शादी, ब्याह तय होने के संकेत हैं। प्रेमी, प्रेमिका की मुलाकात संभव है और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
विद्यार्थियों के लिए अत्यंत शुभदायक। फिल्मकारों के लिए, लेखकों के लिए, कवियों के लिए।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बन रहा है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

भाकियू (बलराज) का सम्मान समारोह आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम इलहाबास में भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का सम्मान समारोह एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर विजय प्रताप सिंह मौजूद रहे। अतिथियों का संगठन के कार्यकर्ताओं ने फूलमाला और पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

किसान गोष्ठी में नोएडा विकास प्राधिकरण से जुड़े बैकलॉग और आवासीय भूखंडों जैसी समस्याओं को किसानों ने सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी के सामने रखा। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि नोएडा या ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसानों को उनके हक दिलाए जाएंगे।

बलराज भाटी ने शुक्रवार को सोरखा गांव में किसानों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और पुलिस कर्मियों तथा प्राधिकरण अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और निलंबन की मांग की।

कार्यक्रम में नोएडा के दर्जनभर सम्मानित और समाज के प्रतिष्ठित किसानों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इसी दौरान कर्मवीर खारी को उत्तर प्रदेश महासचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसे लेकर इलहाबास गांव में खुशी का माहौल रहा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट ठाकुर विजय प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (बलराज) एक सशक्त और ईमानदार संगठन है, जो उत्तर प्रदेश समेत 22 राज्यों में किसानों, मजदूरों और असहाय लोगों की आवाज बुलंद कर उनके समस्याओं का समाधान कर रहा है।

कार्यक्रम में महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जितेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सचिन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, यूथ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी, प्रदेश सचिव यामीन अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान मसूरी, मेरठ मंडल अध्यक्ष जतन भाटी, यूथ मेरठ मंडल अध्यक्ष इरशाद खान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त भाटी, यूथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भोलू पंडित, मेरठ मंडल उपाध्यक्ष अजय भाटी, मेरठ मंडल सचिव डॉ. चन्द्रपाल कराना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा की कार्यशाला का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी बिसरख मंडल में रविवार को सेवा पखवाड़ा, एमएलसी शिक्षक एवं स्नातक चुनाव और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी रहे। जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कार्यकर्ताओं से सेवा, स्वच्छता और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में बताया गया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से गांधी जयंती तक समाजसेवा और संगठन को सशक्त बनाने का अभियान है।

इस अवसर पर युवा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी सुनील नागर, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अमरीश भाटी, अरुण शर्मा, कर्मवीर आर्य, डी.के. जायसवाल, कमल जैन, दिनेश बेनीवाल, नरेन्द्र चौधरी, दिनेश मिश्रा, नवीन तिवारी, संगीता तिवारी, प्रीतिका सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, अर्निमेश, सत्यवीर चौहान, मनीष त्रिपाठी, अमीश पांडेय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगठन सृजन अभियान का लक्ष्य पूरा: दीपक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कैम्प कार्यालय में जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने की, जबकि संचालन संगठन प्रभारी महासचिव मुकेश शर्मा ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि पिछले तीन माह से चल रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। ब्लॉक, नगर और मंडल स्तर पर नामकरण के साथ कमेटियों का गठन भी पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि असली राजनीतिक संघर्ष चुनावी मोर्चों पर बूथ स्तर पर होता है और अब अगली तैयारी बूथ कमेटियों के पुनर्गठन की है। बीमार बूथों को स्वस्थ करना और मजबूत कार्यकर्ताओं की पहचान करना इस माह में पूर्ण किया जाएगा।

जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि कांग्रेस मुख्यालय के निर्देशानुसार स्थानीय मुद्दों पर आंदोलन, संगठन को मजबूत बनाना और चुनावी संघर्ष की तैयारी हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर समर्पण और संघर्ष करने की अपील की।

कांग्रेस मीडिया पैनेलिस्ट दुष्यंत नागर ने कहा कि जिला संगठन वर्तमान में उत्कृष्ट सांगठनिक कार्य कर रहा है। मंडल और बूथ स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा हो चुका है और कार्यकर्ताओं को स्थानीय मुद्दों पर आवाज बुलंद कर प्रशासन को सतर्क रखना चाहिए।

बैठक में मुकेश शर्मा, दुष्यंत नागर, चरण सिंह, रिजवान चौधरी, किशन शर्मा, गौतम सिंह, धर्म सिंह, रमा नैयर, देवेश चौधरी, कपिल भाटी, कैलाश बंसल, पुनीत मावी, दयानंद नागर, हरेन्द्र शर्मा, सचिन शर्मा, सुबोध भट्ट, सचिन जीनवाल, अरविंद रेक्सवाल, सूबेदार सतपाल सिंह, विजय नागर, धर्मवीर प्रधान, अक्षय कोरी, चंद्रशेखर वर्मा, गौरव वसिष्ठ, इंद्रेश कुमार, धीरे सिंह, सचिन भाटी, ओमकार राणा, यश भाटी, मेहर चंद, गौरव लोहिया, जयवीर सिंह एडवोकेट, पवन भाटी एडवोकेट, संदीप भाटी, अंकित लोहिया, प्रिंस भाटी, सौरभ चेची, सुमित अत्री, हरकेश चौधरी, अजय अत्री सहित अन्य कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कासना मंडल में भाजपा ने आयोजित की कार्यशाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

भाजपा कासना मंडल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़ा की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के कार्यक्रम पर भी विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, एमएलसी शिक्षक और एमएलसी स्नातक चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष राहुल पंडित रहे। इसके अलावा कासना मंडल अध्यक्ष दिनेश भाटी, मोहित भाटी (कुलीपुरा) मीडिया प्रभारी, राजेश शर्मा महामंत्री, दिनेश डाढ़ा महामंत्री, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयदीप नागर, वरिष्ठ भाजपाई मनोज डाढ़ा, हिंदू युवा वाहिनी जिलाध्यक्ष चेनपाल प्रधान, कुलदीप शर्मा, सुरेंद्र चौहान, सोनू बीडीसी, ओमवीर चौहान, नवीन शर्मा, डॉ. चंद्र नायक, आनंद भाटी, अजीत मुखिया, अमित भाटी, चमन मास्टर, विक्रम भाटी कोषाध्यक्ष, अमन भाटी, ललित भाटी, निशांत खारी, पिंकू भाटी, बबलू भाटी, सविंदर उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री के स्वागत की अपील

नोएडा(चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक आज दोपहर में गढ़ी शहदरा गांव स्थित प्राथमिक पाठशाला में पहुंच रहे हैं। भाजपा नेता नवीन भाटी ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के स्वागत की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन करें। उन्होंने कहा कि आज दोपहर में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक गढ़ी शहदरा गांव पहुंचेंगे जहां प्राथमिक पाठशाला में शिक्षारत बच्चों से बात करेंगे। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील किया है।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच की एक बैठक ब्लॉक जेवर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक रविंद्र सिंह ने की। जबकि बैठक का संचालन जिला महामंत्री जगवीर भाटी ने किया।

बैठक का मुख्य एजेंडा 25 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली संवैधानिक रैली को लेकर चर्चा करना था। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विश्वकर्मा जी ने कहा कि रैली में गौतम बुद्ध नगर से अधिक से अधिक लोगों के प्रतिभाग सुनिश्चित किए जाएंगे।

बैठक में प्रदीप गुप्ता, प्रमोद कुमार, देवेंद्र कुमार, पदम सिंह, सतीश कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार साझा किए। मंडल मंत्री भूरा सिंह ने अटेवा की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मनवीर सिंह, रमेश चंद्र, अजय कुमार, अजब, राज सिंह, विजय कुमार, दिनेश कुमार सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

आरडब्ल्यूए का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए बीटा-1 ग्रेटर नोएडा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम कल सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह भाटी विधान पारिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री ने अध्यक्ष श्रीमती संगीता शर्मा, महासचिव हरेंद्र भाटी, उपाध्यक्ष राजवीर सिंह, सचिव ओमप्रकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष विपिन भाटी एडवोकेट तथा 10 कार्यकारिणी सदस्यों को सेक्टर के विकास एवं सेक्टरवासियों के हित में कार्य करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बच्चू सिंह एडीएम, मनजीत सिंह, मनोज गर्ग पी.पी.मिश्रा सीनियर मैनेजर, सहायक प्रबंधक गौरव बघेल आदि लोग मौजूद रहे।

जिले के पहले शिक्षामित्र सेवानिवृत्ति, किया सम्मान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत चंदी ग्राम जिले के पहले शिक्षामित्र हैं, जिन्होंने सेवा निवृत्त होकर अपने शैक्षणिक जीवन का समापन किया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ ने उनका सम्मान करते हुए शिक्षक भवन, तुगलपुर में विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमर वेज ने की, जबकि संचालन ब्लॉक अध्यक्ष नरेश खारी ने किया।

संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश भाटी ने बताया कि चंदी ग्राम प्राथमिक विद्यालय, खोदना ब्लॉक बिसरख में कार्यरत थे। उनका सेवाकाल 60 वर्ष रहा और शासनादेश के अनुसार 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर शिक्षामित्र को सेवा निवृत्त कर दिया जाता है।

ब्लॉक अध्यक्ष जेवर रवि करण ने कहा कि यह दुखद है कि शिक्षामित्र ने अपने जीवन काल में न्यूनतम मानदेय पर सेवा दी और आज वे खाली हाथ रिटायर हो रहे हैं। लोक अध्यक्ष दनकौर बाल्कन शर्मा ने भी शिक्षामित्र के कठिन आर्थिक हालात पर चिंता जताई। समारोह में प्रकाश अध्यक्ष

संतोष ने कहा कि मात्र 10,000 में जीवन यापन करना बहुत कठिन है। इसके अलावा कालूराम, रणजीत सिंह, राम सिंह, रेखा यादव आदि ने अपने विचार साझा किए। सम्मान समारोह में सत्तो, सुमन, किरण, ललित, सनोज, महेश, रामकिशोर सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

गंगा तट पर पितृपक्ष तर्पण में पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान

प्रयागराज (चेतना मंच)। गंगा तटीय इलाकों में पितृपक्ष तर्पण करने वाले लोगों को सिंगल यूज़ पालीथीन से दूर रहने और गंगा में किसी भी प्रकार की मूर्ति, पुराने माला-फूल या चित्र का विसर्जन न करने के लिए जागरूक किया गया।

इस अवसर पर अनामिका चौधरी, निषाद प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश एवं प्रभारी चंदौली ने कहा कि अपने पूर्वजों को स्वच्छ गंगा जल से तर्पण करने के लिए गंगा का जल निर्मल होना आवश्यक है। उन्होंने सभी से अपील की कि गंगा मैया के जल को प्रदूषित न होने दें, ताकि यह पानी हमें और आने वाली पीढ़ियों को भी सुरक्षित रूप से मिल सके।

कार्यक्रम में राजीव मिश्रा, स्टेट ऑफिसर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और अन्य पदाधिकारी जैसे शिवा त्रिपाठी (पूर्व पार्षद), मृणाली मिश्रा, राकेश मिश्रा, गीता गुप्ता, अजय द्विवेदी (अधिवक्ता), अन्नू निषाद, आर. पी. दुबे (पत्रकार), दिलीप सेन, सचिन मिश्रा, आचार्य कौशल किशोर मिश्र (योग गुरु), कैलाश दत्ता, पंकज राय, भीम सिंह, निखिल श्रीवास्तव, सत्यम, मेजर सुनील निषाद आदि उपस्थित रहे।

बरियावां ग्राम सभा में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

चेतना मंच

फूलपुर/प्रतापपुर। विकासखंड प्रतापपुर के ग्राम सभा बरियावां में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा हेतु गत 12 सितंबर को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज कल्याण अधिकारी ने की। बैठक में ग्राम सभा के सभी सदस्य, ग्राम प्रधान और सचिव उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम सभा बरियावां के ग्राम निबी, पूरेडीह और माझियारी में किए गए विकास कार्यों की जांच की गई। सभी सदस्यों ने अपने क्षेत्रों में हुए कार्यों की स्थिति पर चर्चा की और यदि किसी भी जगह विकास नहीं हुआ है तो उसके प्रति अपना रोष व्यक्त किया।

एक सदस्य ने आरोप लगाया कि ग्राम निबी की मुख्य सड़क से रामप्यारे के घर तक खड़ंजा सड़क पर पिछले 50 वर्षों में कोई सुधार नहीं हुआ। पूर्ववर्ती ग्राम प्रधानों ने इस सड़क का नवीनीकरण दिखाकर लाखों रुपए हजम कर लिए। मौजूदा ग्राम प्रधान ने भी इसी प्रकार के काम का दिखावा किया। सदस्यों ने समाज कल्याण अधिकारी और ग्राम प्रधान पर लाखों रुपए हजम करने का आरोप लगाया और मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की।

इफको घियानगर में स्वच्छता पखवाड़े पर रैली

फूलपुर/घियानगर। इफको घियानगर में स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर स्वच्छता में सहकार की भावना के साथ जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया के नेतृत्व में हुआ। स्वच्छता रैली बैनर, पोस्टर और नारों के साथ निकाली गई, जो स्थानीय लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और जागरूक करने का संदेश दे रही थी। रैली के साथ ही इफको घियानगर कालोनी में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सफाई अभियान भी चलाया गया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने कहा कि प्लास्टिक का प्रयोग बिल्कुल न करें क्योंकि यह धरती और समुद्र को प्रदूषित कर रहा है और इसका दुष्प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा, स्वच्छता विषय पर सभी वर्ग के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

15 करोड़ की लागत से गोल चक्कर में बनेगा स्काईवॉक

प्राधिकरण ने किया टेंडर जारी
19 सितंबर को खोली जाएगी बिड

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण लोगों की परेशानी के मददेनजर गोल चक्कर पर 15 करोड़ की लागत से स्काईवॉक का निर्माण करेगा। इस स्काईवॉक के जरिए सेक्टर-15, सेक्टर-1 तथा सेक्टर-2 के लोगों को काफी सुविधा होगी। प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है तथा 19 सितंबर को इसकी बिड खोली जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईवॉक बीओटी यानी बिल्ट, आपरेट तथा ट्रांसफर के आधार पर बनाया जाएगा।

प्राधिकरण के मुताबिक निर्माण करने वाली कंपनी 11 साल तक इसका संचालन करेगी। कंपनी को स्काईवॉक पर विज्ञापन का राइट्स दिया जाएगा। जिससे वो अपनी लागत निकाल सकेगा। लागत निकलने के बाद स्काईवॉक प्राधिकरण के हैंडओवर कर दिया जाएगा।

बता दें गोलचक्कर के पास दिल्ली के अशोक नगर, सेक्टर-1,2, 3 में भारी फुटफाल होता है। ऐसे में यहां सड़क पार करना काफी दिक्कत भरा होता है। स्काइवॉक बनने से लोगों को काफी सहुलियत मिलेगी। निर्माण करने वाली कंपनी 18 सितंबर तक आवेदन कर सकती है। 19 सितंबर को बिड खोली जाएगी।

इसमें लो कास्ट कंपनी का चयन किया जाएगा। जिसे आगामी छह महीने में स्काइवॉक का निर्माण करना होगा। वहीं मॉडल टाउन के पास बनने वाले स्काइवॉक के लिए भी जल्द कंपनी का चयन किया जाएगा।

धारा-10 से पीड़ित आवंटियों ने सांसद डॉ. महेश शर्मा से की भेंट

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए रेजिडेंट्स कल्याण महासमिति सेक्टर-22 के अध्यक्ष विजय सिंह की अध्यक्षता में भारी संख्या में एकत्रित होकर सेक्टर-22 का एक प्रतिनिधिमंडल धारा-10 हटवाने के लिए सांसद महेश शर्मा से मिला।

सांसद ने सभी की बात को ध्यान से सुना तथा उनका रुख सकारात्मक रहा। धारा 10 के संदर्भ में सांसद ने नोएडा विकास प्राधिकरण के सीईओ से बात करने का आश्वासन देने के साथ-साथ विजय सिंह द्वारा 5 लोगों की कमेटी बनाकर आने के लिए कहा है ताकि कोई सकारात्मक निर्णय हो सके!

गाजीपुर के सीताराम के परिवार की ब्राह्मण समाज करेगा आर्थिक मदद

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की एक बैठक मास्टर परमानंद शर्मा के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में गाजीपुर जनपद के नोनहरा थाने में पुलिस की बर्बरता से हुई सीताराम उपाध्याय की मौत पर शोक व्यक्त कर इसकी निंदा की गई।

सभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने कहा कि इस मामले में 13 सितंबर को नोएडा स्थित पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के आवास पर भी एक बैठक हुई। बैठक में पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस घटना के संबंध में बात की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को भी आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग को उठाया। इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिस कर्मियों को निलंबित कर 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय पर विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद ने संतोष व्यक्त करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। पंडित पीतांबर शर्मा ने बताया कि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा के निर्देशन में परिषद की तरफ से मृतक के परिवार को एक लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की गई है। यह राशि सीकरी गाजीपुर स्थित पीड़ित परिवार के पास पहुंचा दी जाएगी।

बैठक में पंडित पीतांबर शर्मा, पंडित परमानंद शर्मा, रामकुमार शर्मा, रतनवीर शर्मा, मांगेराम शर्मा व अनिल शर्मा आदि मौजूद थे।

जनपद के कृषक 25 सितम्बर तक कर सकते हैं ऑनलाइन बुकिंग

नोएडा (चेतना मंच)। उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने जनपद के कृषकों को बताया कि राज्य सहागतित नि:शुल्क तिलहन मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के अनुसार जनपद की 500 मिनीकिट वितरण का विकास खण्ड दादरी हेतु 150 मिनीकिट, बिसरख हेतु 75 मिनीकिट, दनकौर 125 एवं जेवर 150 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि जो भी कृषक नि:शुल्क सरसों का मिनीकिट बुवाई हेतु प्राप्त करना चाहते है वह अपने पंजीकरण संख्या से विभागीय पोर्टल HTTP:/AGRIDARSHAN.UP.GOV.IN पर जाकर आवेदन कर मिनीकिट बुवाई हेतु स्वय बुकिंग कर सकते है। बुंकिग की अन्तिम तिथि 25.09.2025 है। किसी भी प्रकार की अधिकतम जानकारी हेतु प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार जेवर, दादरी, बिसरख एंव दनकौर से सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

पीएम के जन्मदिन पर होने वाले सेवा पखवाड़े की जानकारी दी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-44 में सैनिक विहार मंडल में आयोजित सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत बैठक में पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नवाब सिंह नागर मौजूद रहे।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़े के अंतर्गत चलने वाले कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी नरेश शर्मा, महामंत्री उमेश त्यागी एवं मंडल पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

पंचायत को सफल बनाने पर मंथन

नोएडा (चेतना मंच)। सलारपुर स्थित भाकियू जिला कार्यालय पर बैठक का आयोजन हुआ। बैठक मे आगामी 19 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण पर होने वाली पंचायत को सफल बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में नोएडा के लगभग 81 गांव के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता वीरपाल अवाना एवं संचालन जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा गांव की अनदेखी की जा रही है। गांवों में मूलभूत सुविधाएं, क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार, किसानों के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में निशुल्क पढ़ाई, प्राइवेट अस्पतालों में रियायत दरो पर इलाज सहित आबादी जहां है जैसी के आधार पर छोड़ी जाए,1976 से 1997 के बीच अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को प्लांट देने सहित अन्य मांगों को लेकर 19 सितंबर को नोएडा प्राधिकरण पर महा पंचायत की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता पंचायत को सफल बनाने के लिए जनसंपर्क में जुट जाए।

बैठक में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, रविंद्र भगत, प्रमोद सफीपुर, संदीप अवाना, सचिन अवाना, कंवर सिंह चपराना, संजय फौजी, नवल प्रधान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रालोद के सदस्यता अभियान को लेकर बैठक

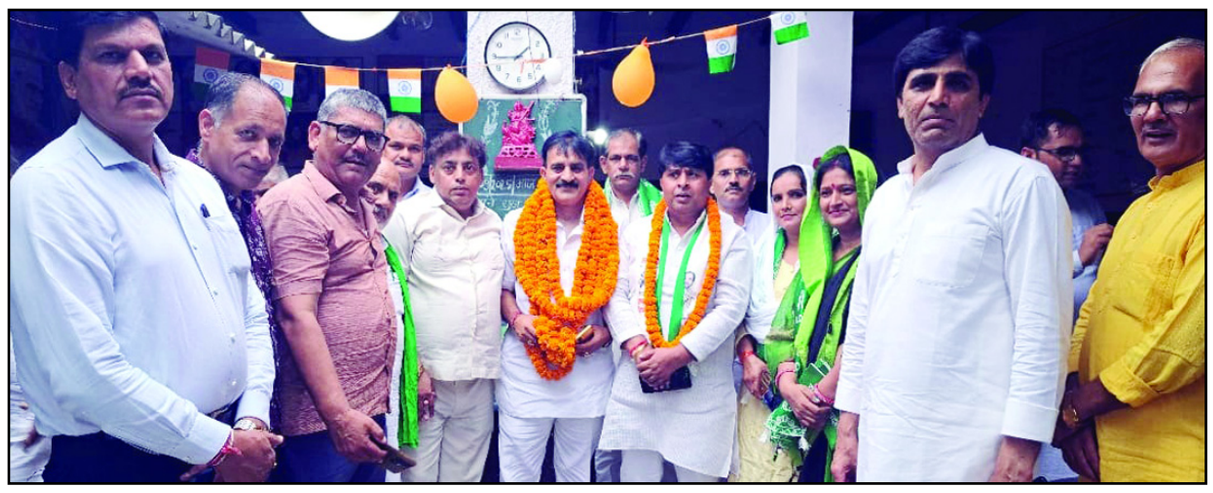

नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधानसभा क्षेत्र के गांव भट्टा मे राष्ट्रीय लोकदल पार्टी की सदस्यता अभियान की बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने की।

सदस्यता अभियान प्रोग्राम में मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह कुंडू (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष) ने कहा कि आज हमारी पार्टी एनडीए का सहयोगी दल है।हम गांव-गांव शहर शहर जाकर पार्टी का विस्तार करेंगे। गौतमबुधनगर जिले में कम से कम 10000(दस हजार) नए सदस्य बनाने का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।

पार्टी का कार्यकर्ता से लेकर सभी नेतागण दिन-रात मेहनत करके लक्ष्य को 31/10/25 सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तक हासिल करेंगे। आने वाले राज्य पंचायत चुनाव में पूरे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी अकेला चुनाव लड़ेगी।

इस मौके पर अजीत सिंह दौला (प्रदेश उपाध्यक्ष) एड इंद्रवीर भाटी अध्यक्ष (मेरठ मंडल) हरवीर तालान मनवीर भाटी श्रीमती रूबी जादौन जिला अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती रिजवान मेवाती अंशुम आनंद जोगिंदर तालान लक्ष्मण कुंतल मनोज चौधरी मास्टर हरबीर चौधरी चौधरी धीरज सिंह अतुल चौधरी फखरुद्दीन कोटिया धर्मेंद्र शर्मा कुलदीप चौधरी जसवीर भाटी चौधरी विक्टर श्रीमती रवीना श्रीमती बबीता श्रीमती नीतू श्रीमती सुनीता श्रीमती चंचल चौधरी दीपक कुलदीप नरेश सेठ चौधरी तिलक सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-12 बजरंग रामलीला संचालिका समिति

रामलीला मंचन के पूर्व निकाली शोभायात्रा कई कांग्रेसी नेता हुए शामिल

नोएडा (चेतना मंच)। बजरंग रामलीला संचालिका समिति नॉएडा के द्वारा भगवान राम की शोभा यात्रा निकाली गई।

भव्य यात्रा में चार झांकियां जिसमें तीन बैंड, शहनाई पार्टी आदि शामिल थीं। मंच पर पूजा के दौरान शोभायात्रा का शुभारंभ आरंभ हर्ष उल्लास के साथ भक्तिमय वातावरण में हुआ। भव्य यात्रा सेक्टर-12 के एस ब्लॉक एव बी ब्लाक वाई ब्लाक में से होते हुये सेक्टर-11 राष्ट्रीय सहारा सेक्टर-10 चौराहा एव शिवानी फर्नीचर से हरौला मार्ग पर प्रविष्ट हुई। इसके बाद भव्य शोभा यात्रा हरौला सब्जी मंडी से सेक्टर-19 होते हुए स्टेडियम चौराहे से सेक्टर-12 सरस्वती शिशु मंदिर से मंचन स्थल पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में कांग्रेस के नेताओ ने भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया एव भगवान श्रीराम को तिलक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, कोडिनेटर हापुड पुरुषोतम नागर, बागपत कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा, अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय सचिव लियायत चौधरी, उपाध्यक्ष ललित अवाना, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, महासचिव दयाशंकर पांडेय, महासचिव एस एस सिसोदिया, समिति के अध्यक्ष कुलभूषण राय नागर, निदेशक अशोक पांडेय, सुभाष गोहना, शिवलाल सिंह, मुकेश लोधी, राहुल पांडेय, निखिल द्विवेदी, इन्द्रसेन यादव, सुनील सिन्हा,गोपाल, मनोज, अनुराग गोविल, कमलाकर त्रिपाधि, एस एन पांडेय,नितिन पांडेय, सहित समस्त पदाधिकारि उपस्थित रहे।

'जय हो' संस्था के संस्थापक ने अलग अंदाज में मनाया पित्रों का श्राद्ध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'जय हो' संस्था द्वारा रविवार को दादरी के बील अकबरपुर से 'रोड़ सेफ्टी ड्राइव' का शुभारंभ किया गया। इसी के साथ पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यक्रम जय हो संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट व उनके परिवार के द्वारा अपने पित्रों के श्राद्ध अवसर पर किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रेरणा यात्रा के तहत हुसैनीवाला पंजाब से शहीदों की रज़ लाने वाले संस्था के सदस्यों का भी स्वागत किया गया।

जय हो संस्था के संयोजक संदीप भाटी ने बताया कि रविवार को संस्था के द्वारा एक अनोखी मुहिम शुरू की गई। जिसके तहत पित्रों के श्राद्ध को रोड़ सेफ्टी और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते मुहीम का आगाज किया गया। मुहीम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक कपिल शर्मा एडवोकेट व उनके परिवार के द्वारा जय हो संस्था के साथ मिलकर ग्राम बील अकबरपुर से किया गया। जहां कपिल शर्मा व उनके भाइयों द्वारा अपने दादा शिक्षाविद स्वर्गीय पंडित रामप्रकाश शर्मा का श्राद्ध मनाया गया। इस दौरान परिवार के सभी सदस्यों ने जय हो संस्था के साथ मिलकर सबसे पहले एक - एक पौधा रोपित करते हुए अपने पित्रों को श्रद्धांजलि दी और समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उसके उपरांत परिवार के सदस्यों ने संस्था के साथ मिलकर जीटी रोड़ पर 'रोड़ सेफ्टी ड्राइव' का शुभारंभ किया। जिसके तहत रोड़ पर बगैर हेलमेट चल रहे दो पहियां वाहन चालकों को रोककर उन्हें हैल्मेट भेंट किए। इसी के साथ लोगों को बगैर हेल्मेट लगाए वाहन लेकर रोड़ पर नहीं चलने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिवार के द्वारा प्रेरणा यात्रा में हुसैनीवाला से रज लाने वाले संदीप भाटी, अध्यक्ष दिनेश भाटी, महासचिव परमानंद कौशिक, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा व यात्रा में मंगल पांडेय की भूमिका में नजर आए समाजसेवी सुधीर वत्स जी का फूल माला पहना कर व शाल उड़ाकर सम्मान व स्वागत किया।

इस अवसर पर जय हो संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी ने कहा कि परिवार ने अपने पित्रों के श्राद्ध अवसर पर इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर समाज में जागरूकता लाने का संदेश दिया है। जिससे सभी को सीख लेकर ऐसे आयोजन करने चाहिए। जिससे निश्चय ही हमारे पित्रों को शांति मिलेगी।

इस अवसर पर दिनेश भाटी, परमानंद कौशिक, सुधीर वत्स, सुरजीत विकल, अजय भाटी, सचिन शर्मा, पुष्प शर्मा, रामदत्त शर्मा, लक्ष्मीदत्त शर्मा, सोमदत्त शर्मा, यज्ञ दत्त शर्मा, मनीष शर्मा, अरुण शर्मा, प्रिंस शर्मा, डॉ मोहित शर्मा, शुभम शर्मा, आदित्य शर्मा, सुजल शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण ने किसान को आवंटित आबादी भूखंड से हटाया अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय के आदेश पर साकी पुर में रविवार को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर जमीन को खाली करा लिया है। इस जमीन पर किसान को 6 फीसदी आबादी भूखंड आवंटित है। महाप्रबंधक एके सिंह और विशेष कार्याधिकारी (भूलेख) रामनयन सिंह के नेतृत्व में परियोजना और भूलेख विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की।

एके सिंह ने बताया कि साकीपुर के खसरा संख्या-583 की लगभग 5000 वर्ग मीटर जमीन पर कुछ लोग बाउंड्री बनाकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। यह जमीन किसान को 6 प्रतिशत आबादी भूखंड के रूप में आवंटित है, लेकिन उनको कब्जा नहीं मिल पा रहा था। हाईकोर्ट के आदेश पर रविवार को सुबह प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में वरिष्ठ प्रबंधक रतिक और वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर सहित अन्य वर्क सर्कल के मैनेजर और सहायक प्रबंधक आदि मौजूद रहे।

इधर-उधर कूड़ा फेंकने पर ब्लिंकिट पर 10 हजार रुपए का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम साफ-सफाई को लेकर लगातार अभियान चला रही है। टीम की तरफ से इधर-उधर कूड़ा फेंक कर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई के साथ ही निवासियों को जागरुक भी किया जा रहा है।

रविवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ग्राम छोटी मिलक में साफ-सफाई का निरीक्षण किया।कूड़ा इधर उधर न फेंकने व साफ सफाई बेहतर करने के प्रति लोगों को जागरूक किया। ग्राम छोटी मिलक में कूड़ा इधर उधर फेकने पर ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड पर 10,500 का जुर्माना लगाया गया। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर 130 मीटर रोड की सर्विस रोड पर (सेक्टर -इकोटेक 12 के पास) अवैध रूप से गार्बेज फेंकने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। इसे जब्त करते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट कार्यालय परिसर में खड़ा कर दिया गया है। जुर्माने की रकम जमा करने के बाद ही इसको छोड़ा जाएगा। इसके बाद सहायक प्रबंधक कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में टीम ने रविवार को ही सेक्टर-बीटा-1 और गामा-1 साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। घरों में पूछा गया कि कूड़ा कलेक्शन करने वाली गाड़ी प्रतिदिन आ रही है या नहीं। निवासियों के सुझाव पर संबंधित स्टाफ को अमल करने के निर्देश दिए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक गौरव बघेल और उनकी टीम ने सेक्टर-36 में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने वाले निवासियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से सेक्टर पी-3, सिग्मा-1, सिग्मा -2, सिग्मा- 3, सिग्मा- 4, सेक्टर- 36 और सेक्टर- 37 में इस तरह का अभियान लगातार चलाए जा रहा है। सेक्टरवासियों ने प्राधिकरण के इस प्रयास की सराहना की है। सेक्टरवासियों ने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए हर तरह से सहयोग का आश्वासन दिया। फीडबैक फाउंडेशन की टीम ने लोगों को जागरूक भी किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने निवासियों से कूड़े को सेग्रिगेट करने और कूड़े को इधर-उधर न फेंककर कूड़ा कलेक्शन वाहान आने पर ही कूड़ा देने की अपील की है। साथ ही ग्रेटर नोएडा को साफ-सुथरा बनाने में सहयोग करने की भी अपील की है।

रोडरेज में भाई बहन से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के रेलवे रोड पर स्कूटी में टक्कर लगने के बाद युवकों ने भाई बहन के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। रोडरेज की इस घटना में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और भाई-बहन को जमकर पीटा।

ग्राम पाली निवासी रोहित भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 13 सितंबर की शाम को उनका साला अनुज अपनी बहन रजनी के साथ स्कूटी से दादरी अस्पताल आया था। अस्पताल से घर आते समय रेलवे रोड पर स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। अनुज व रजनी ने जब इस बात का विरोध किया तो स्कूटी सवार गाली-गलौज एवं मारपीट करने लगे। इस दौरान उन्होंने अपने और साथियों को भी फोन कर दिया। कुछ ही देर में डिजायर कार में सवार होकर कुछ अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने अनुज व रजनी के साथ गाली-गलौज व मारपीट की। भीड़ इकट्ठा होते देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। रोहित भाटी ने कटहेड़ा रोड निवासी चांद व शाहरुख पुत्र नबाब व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जमीन के नाम पर 20 लाख रुपये हड़पे, फाइनेंस कंपनी पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक व्यक्ति ने जमीन के नाम पर 20 लाख रूपए हड़पने का आरोप में जालसाज व फाइनेंस कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि जमीन के फर्जी व कूट रचित दस्तावेज बनाकर उसके साथ जालसाजी की गई।

मूल रूप से ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-1 आगरा निवासी प्रदीप सिंह भास्कर ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह काफी समय से नोएडा में निवास कर रहा है। वह नोएडा में निवास करने के लिए संपत्ति खरीदने का विचार बना रहा था। इस दौरान उसकी ग्राम चिपियाना निवासी सुभाष यादव से मुलाकात हुई। सुभाष यादव ने उसे बताया कि वह जलालपुर गांव के पास श्रीराम सिटी के नाम से अपनी आवासीय योजना का निर्माण कर रहा है। इस आवासीय योजना में सुभाष यादव ने उसे एक प्लॉट दिखाया। सुभाष यादव ने बताया कि इस संपत्ति पर वह प्राइवेट फाइनेंस कंपनी से लोन कर देगा।

सुभाष यादव ने उसे केनफिन होम्स लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव से मिलवाया। सभी औपचारिकताएं एवं कानूनी कार्रवाई पूरी करने के पश्चात कैन फिन होम्स लिमिटेड ने उसे 25 लाख रुपए का लोन दे दिया। इसमें से उसने 16 लाख रुपए का डीडी सुभाष यादव को प्लॉट की रजिस्ट्री के समय दे दिया। इसके अलावा उसने दो बार 400000 सुभाष को और अदा कर दिए।

प्रदीप सिंह के मुताबिक प्लॉट पर कब्जा लेने के पश्चात उसने निर्माण कार्य शुरू कर दिया। 22 फरवरी 2024 को प्राधिकरण ने प्लॉट पर किए गए निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया। इस बारे में उसने सुभाष यादव व फाइनेंस कंपनी से संपर्क किया तो उन्होंने धमकी दी कि यदि इस मामले की शिकायत कहीं की तो वह उसे और उसके परिवार को जान से मरवा देंगे।

पीड़ित के मुताबिक सुभाष यादव केनफिन होम्स लिमिटेड कंपनी ने उसके साथ छल करने तथा अनैतिक लाभ लेने की नीयत से फर्जी एवं कूट रचित दस्तावेज तैयार कर प्लॉट का बैनामा उसके नाम किया था। उसने इसकी शिकायत थाना बिसरख पुलिस से भी की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। थाना पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

वक्फ कानून....

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड पर आज फैसला सुनाया। कोर्ट ने धारा 3(74) से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड के प्रावधान पर भी रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि कार्यपालिका किसी भी व्यक्ति के अधिकार तय नहीं कर सकती। जब तक नामित अधिकारी की जांच पर अंतिम निर्णय न हो और जब तक वक्फ संपत्ति के मालिकाना हक का फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट द्वारा न हो जाए, तब तक वक्फ को उसकी संपत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्व रिकॉर्ड से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा होने तक किसी तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं बनाए जाएंगे। वक्फ बोर्ड की संरचना पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि बोर्ड में अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम सदस्य ही हो सकते हैं, यानी 11 में से बहुमत मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए। साथ ही, जहां तक संभव हो, बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) मुस्लिम ही होना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका यह आदेश वक्फ एक्ट की वैधता पर अंतिम राय नहीं है। अदालत ने साफ किया कि पूरे कानून पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है, लेकिन कुछ प्रावधानों पर अंतरिम सुरक्षा दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि सामान्य तौर पर किसी कानून के पक्ष में संवैधानिक वैधता की धारणा रहती है।

पांच साल वाली शर्त खारिज

मुख्य आपत्ति धारा 3(R), 3(C), 3(D), 7 और 8 सहित कुछ धाराओं पर थी. इनमें से धारा 3(R के उस प्रावधान पर कोर्ट ने रोक लगा दी, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई थी. अदालत ने कहा कि जब तक सरकार इस पर स्पष्ट नियम नहीं बनाती, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा, वरना यह मनमाना साबित हो सकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी कलेक्टर या कार्यपालिका को संपत्ति के अधिकार तय करने की अनुमति देना शक्तियों के पृथक्करण (separation of powers) के खिलाफ है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक धारा 3(C) के तहत वक्फ संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट से नहीं हो जाता, तब तक न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड से छेड़छाड़ होगी. साथ ही, इस दौरान किसी तीसरे पक्ष के अधिकार भी नहीं बनाए जाएंगे।

पड़ोसी महिला पर...

वहीं थाना जेवर क्षेत्र के दानापुर गांव में घर के बाहर नाली साफ कर रही महिला के साथ पड़ोसी ने बदसलूकी की। विरोध करने पर आरोपी, उसके पुत्र व पुत्रवधू ने महिला व उसके देवर के साथ मारपीट की। जनकपुर गांव निवासी सुनील ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 सितंबर की सुबह उनकी भाभी रेखा देवी घर के बाहर नाली साफ कर रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले भानपाल ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। रेखा ने जब इस बात का विरोध किया तो भानपाल ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और अपने बेटे रिशु व उसकी पत्नी पूनम को भी मौके पर बुला लिया। शोर शराबा सुनकर सुनील भी मौके पर पहुंच गया और उसने अपनी भाभी को बचाने का प्रयास किया। भानपाल ने लाठी से उसके सर व कंधे पर वार कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है ।

नोएडा पहुंचे डिप्टी...

प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, वर्क सर्किल-1 के वरिष्ठ प्रबंधक डोरीलाल वर्मा, वर्क सर्किल 9 के वरिष्ठ प्रबंधक सतेन्द्र गिरि, भाजपा के महामंत्री गणेश जाटव, डिंपल आनन्द, अमित त्यागी तथा अन्य कार्यकर्ता एवं अधिकारी मौजूद थे। इसके बाद बृजेश पाठक सेक्टर-96 स्थित यूनिटेक गोल्फ क्लब पहुंचे तथा वहां का निरीक्षण किया। खबर लिखे जाने तक वे सेक्टर-96 से गढ़ी शाहदरा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए रवाना हो चुके थे। आज उप मुख्यमंत्री जिम्स अस्पताल भी जाएंगे तथा वहां सीटी स्कैन मशीन तथा डिजिटल एक्से-रे मशीन का उदघाटन करेंगे। इसके बाद गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सभागार में विभिन्न सरकारी महकमों के साथ लोक कल्याकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद जनप्रतिनिधियों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी करेंगे।

रेप केस में फेमस...

मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्मदाह का प्रयास किया था। जब पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दरबार में आत्महदाह का प्रयास किया था तब गाजियाबाद पुलिस हरकत में आई और अब उत्तर कुमार को अमरोहा के फार्म हाउस से गिरफ्तार कर लिया है। बड़ा सवाल है की जिस दिन पीड़िता ने मुख्यमंत्री दरबार मे आत्महत्या की कोशिश की थी तब शालीमार गार्डन पुलिस ने मीडिया को बताया था कि मुकदमा स्पंज हो गया यदि मुकदमा स्पंज हो गया था तो अब गिरफ्तारी क्यो ? बताया जा रहा है कि इस मामले में गाजियाबाद पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

स्कार्पियो ने बाइक में...

के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना कर मृत्यु करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि स्कार्पियो चालक की तलाश की जा रही है।

कुलेसरा में मकान का ताला तोड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के कुलेसरा की बालाजीपुरम कॉलोनी में चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के गहने व नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय गृह स्वामिनी अपने तीन माह के बच्चे को घर पर छोड़कर अपने बेटे को स्कूल से लेने गई थी।

मिथिलेश कुमार सिंह ने पुलिस से कि शिकायत में बताया कि वह मूल रूप से जनपद गाजीपुर का रहने वाला है और वर्तमान में अपने परिवार के साथ कुलेसरा की बालाजीपुरम कॉलोनी में रह रहा है। 7 अगस्त की दोपहर को उसकी पत्नी तीन माह के बच्चे को घर पर छोड़कर कुछ दूरी पर स्थित स्कूल से अपने दूसरे बेटे को लेने के लिए गई थी 10 मिनट बाद जब वह घर वापस लौटी तो उसे मुख्य द्वार खुला हुआ मिला। वह घर के भीतर गई तो सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। चोर घर में रखी अलमारी का ताला तोड़कर सोने के तीन मंगलसूत्र, सोने के कुंडल दुकान के झूमर सोने की अंगूठी बच्चों के तीन सोने के लॉकेट दो चांदी की पायल और 4000 चोरी कर ले गए थे। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी थाना ईकोटेक 3 पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

देवर ने लोहे की रॉड से किया हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना में एक महिला ने अपने देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके देवर ने लोहे की रॉड से उसके सर पर वार कर उसे घायल कर दिया। डाढा गांव निवासी रिंकी (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह 12 सितंबर की रात को अपने कमरे में बच्चों के साथ सो रही थी। इस दौरान उसका देवर धर्मेंद्र घर पहुंचा और उसके साथ गाली गलौज करने लगा उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो धर्मेंद्र ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान जान से मारने की नीयत से उसने लोहे की रोड से उसके सर पर वार कर दिया। लोहे की रोड लगने से उसका सर फट गया और वह लहूलुहान हो गई। शोर शराबा सुनकर उसकी बहन व अन्य लोग मौके पर पहुंचे।

बीएमडब्ल्यू कार ने वित्त मंत्रालय के ज्वाइंट सेक्रेटरी को रौंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के कैंट थाना क्षेत्र के धौलाकुआं इलाके में बीएमडब्ल्यू कार और बाइक की टक्कर में वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की मौत हो गई है। उनकी पत्नी और कार चला रही महिला और उसका कारोबारी पति घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी महिला कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और कार व बाइक जब्त कर ली है। इस मामले में दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एडीसीपी अभिमन्यु पोसवाल बताया कि बाइक पर सवार पीड़ित वित्त मंत्रालय से बताया जा रहा है। उसकी पत्नी उसके साथ थी। बीएमडब्ल्यू चला रहा संदिग्ध गुरुग्राम में अपना व्यवसाय करता है। हमने दुर्घटना और सबूत मिटाने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर ली है।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस के उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पुलिस को रविवार को हादसे की सूचना मिली। दिल्ली कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां एक

बीएमडब्ल्यू कार सड़क पर तिरछी खड़ी थी और एक बाइक मेट्रो पिलर संख्या 67 के पास सड़क के डिवाइडर के पास क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी थी।

बताया कि बीएमडब्ल्यू कार एक महिला चला रही थी, जिसने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर वित्त मंत्रालय में उप सचिव नवजोत सिंह अपनी पत्नी संदीप कौर के साथ जा रहे थे। हादसे के बाद दोनों घायल हो गए।

गुरुग्राम निवासी आरोपी महिला गगनप्रीत कौर और उसके पति परीक्षित कैब से घायल नवजोत सिंह और उनकी पत्नी को आसपास के अस्पताल के बजाय 22 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर स्थित न्यू लाइफ अस्पताल ले गए।

डॉक्टरों ने नवजोत सिंह को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल ने ही पुलिस को बताया कि चोट लगने के कारण नवजोत सिंह की मौत हो गई। उनकी पत्नी के साथ ही आरोपी महिला और उसके पति घायल हुए हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बताया कि नवजोत सिंह हरिनगर में रहते थे। आरोपी महिला भी घायल है, इसलिए पुलिस पूछताछ के लिए उसके ठीक होने का इंतजार कर रही है।

एडीसीपी अभिमन्यु पोसवाल बताया कि हमें कल रात 2.20 बजे धौला कुआँ के आसपास ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। कर्मचारी उसे खुलवाने के लिए दौड़े। लेकिन वहाँ पहुँचने पर पता चला कि एक बीएमडब्ल्यू और बाइक के बीच टक्कर हुई है। 1-2 स्वतंत्र गवाहों ने हमें बताया कि आरोपी टैक्सी से अस्पताल पहुँच गया। इस बीच, हमारे कर्मचारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जाँच की। क्राइम टीम और मोबाइल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण और वाहन की जाँच की। हमें सुबह लगभग 4.20 बजे जीटीबी के एक अस्पताल से एक और कॉल आया कि उन्हें एक दुर्घटना का मामला मिला है। हमने वहाँ जाकर आगे की कार्रवाई की। इस मामले में एफआईआर पहले ही दर्ज हो चुकी है। संदिग्ध अभी भी अस्पताल में है और हम जाँच के ज़रिए इसकी (दुर्घटना के कारण की) पहचान करेंगे।

मोबाइल फोन छीना

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के बी ब्लॉक में बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए।

मामूरा गांव में रहने वाले इमामुद्दीन अहमद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 18 अगस्त को सेक्टर 63 के बी ब्लॉक से जा रहा था। इस दौरान बाइक पर आए दो युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि बदमाश उसके व्हाट्सएप से उसके परिचितों को मैसेज कर पैसे मंगवा रहे हैं इसके अलावा वह उसके मोबाइल फोन से उसके परिचितों को कॉल भी कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

तीन ओर समुद्र से घिरा रामायण काल का यह मंदिर

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा भी यहां

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तालुक में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर आध्यात्मिकता और खूबसूरत नक्काशी का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। अरब सागर के तट पर स्थित मुरुदेश्वर मंदिर, भगवान शिव को समर्पित एक ऐसा तीर्थस्थल है, जो अपनी 123 फीट ऊंची शिव प्रतिमा और 237 फीट ऊंचे गोपुरम के लिए विश्व प्रसिद्ध है। तीन ओर से समुद्र से घिरी कंडुका पहाड़ी पर बना यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि अपनी द्रविड़ वास्तुकला और रामायण काल से जुड़ी पौराणिक कथा के लिए भी जाना जाता है।

मुरुदेश्वर मंदिर का नाम भगवान शिव के एक रूप मृदेस या मुरुदेश्वर से लिया गया है। यह मंदिर कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में मैंगलोर-कारवार राजमार्ग पर स्थित है, जहां पश्चिमी घाट और अरब सागर का मनमोहक मिलन होता है।

123 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा

मंदिर परिसर में स्थापित 123 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची शिव प्रतिमा है, इसे बनाने में लगभग दो वर्ष लगे। मंदिर का 237 फीट ऊंचा राजा गोपुरम भारत का दूसरा सबसे ऊंचा गोपुरम है, जो 20 मंजिलों वाला है। पर्यटक लिफ्ट के जरिए गोपुरम की सबसे ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर समुद्र और शिव प्रतिमा का विहंगम दृश्य देख सकते हैं।

मुरुदेश्वर मंदिर की कथा

मुरुदेश्वर मंदिर की कथा शिव पुराण से जुड़ी है और रामायण काल के रावण से संबंधित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लंकापति रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें आत्मलिंग (शिव का सार) प्रदान किया, जो अमरत्व और असीम शक्ति का प्रतीक है।

रावण को यह आत्मलिंग लंका ले जाना था, लेकिन देवताओं को यह डर था कि रावण इसका दुरुपयोग करेगा। इसलिए, देवताओं ने सूर्यास्त से पहले रावण को आत्मलिंग जमीन पर रखने के लिए मजबूर किया, क्योंकि नियम था कि एक बार आत्मलिंग जमीन पर रखा गया तो वह वहीं स्थापित हो जाएगा।

शिव भक्तों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थस्थल

क्रोधित रावण ने आत्मलिंग को नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वह अटल रहा। इस प्रक्रिया में आत्मलिंग को ढकने वाला वस्त्र मुरुदेश्वर में गिर गया, जिसके कारण यह स्थान पवित्र माना जाने लगा। तब से यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल बन गया। मुरुदेश्वर मंदिर चालुक्य और कदंब शैली की द्रविड़ वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। मंदिर परिसर में भगवान शिव की विशाल प्रतिमा के साथ-साथ एक सुनहरा सूर्य रथ भी है, जो भगवद् गीता के दृश्य को दिखाता है, जिसमें अर्जुन को भगवान कृष्ण से गीता का उपदेश प्राप्त हो रहा है।

धार्मिक स्थल के अलावा पर्यटक स्थल भी

मंदिर का राजा गोपुरम 20 मंजिलों वाला है और इसकी ऊपरी मंजिल से समुद्र, पहाड़ और शिव प्रतिमा का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। मंदिर के आसपास का समुद्र तट भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। कर्नाटक पर्यटन विभाग के अनुसार, मुरुदेश्वर न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि एक प्रमुख पर्यटक स्थल भी है। समुद्र तट, मंदिर की भव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य इसे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। मंदिर परिसर में गुफा मंदिर भी है, जहां रावण और आत्मलिंग की कहानी को मूर्तियों के माध्यम से उकेरा गया है। महाशिवरात्रि, सावन के महीने में मुरुदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। भगवान शिव के भक्त यहां जलाभिषेक और रुद्राभिषेक जैसे धार्मिक आयोजनों के लिए आते हैं।

कठिन व्रतों में एक है जितिया

जानें नहाय खाय, उपवास और पारण के नियम

हिंदू धर्म में जितिया को छठ पूजा के बाद सबसे कठिन व्रतों में एक माना जाता है, क्योंकि इसमें माताएं निर्जला व्रत रखती हैं। जितिया को जीउतिया या जीवित्पुत्रिका जैसे नामों से भी जाना जाता है। हर साल यह व्रत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। इस साल जितिया का व्रत 15 सितंबर को व्रत का पारण किया जाएगा।

जितिया का पावन व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही इस व्रत में कठोर नियमों का पालन भी करना पड़ता है। नियमों का पालन न करने पर या जाने-अनजाने में हुई गलती से व्रत खंडित हो सकता है। इसलिए जान लें जितिया व्रत के जरूरी नियम।

पारण दिन के नियमः- पारण वाले दिन स्नान के बाद सात्विक भोजन खाना चाहिए। इसमें मुख्य रूप से रागी की रोटी, साग खाने की परंपरा है। वहीं कुछ जगहों पर जितिया के नहाय-खाय में मछली-भात भी खाया जाता है। इस दिन शुद्धता का भी पूरी तरह के ख्याल रखें।

व्रत वाले दिनः- जितिया व्रत के दिन व्रती महिला को अन्न-जल का त्याग करना चाहिए। निर्जला व्रत रखकर शाम के समय माता जितिया और जीमूतवाहन देवता की पूजा करती चाहिए। साथ ही जितिया व्रत कथा का पाठ जरूर करना चाहिए। पूजा के बाद भी कुछ खाना-पीना नहीं चाहिए।

पारण दिन के नियमः- जितिया व्रत के अगले दिन व्रत का पारण किया जाता है। पारण के लिए नवमी तिथि पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। इस दिन नोनी साग, मडुआ रोटी आदि जैसे पकवान बनाए जाते हैं। कई जगहों पर पांच तरह की सब्जी बनाई जाती है। आपके क्षेत्र में जैसी परंपरा हो, उसका पालन करते हुए व्रत का पारण करें। पारण से पहले पूजा-पाठ और दान-दक्षिणा अवश्य करें।

सुबह उठते ही शीशा देखना

आदत या अनजाने में की गई भूल

क्या आप भी सुबह आंख खुलते ही सबसे पहले शीशे में खुद को देखते हैं? यह आदत आम लग सकती है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार यह छोटी सी आदत आपके पूरे दिन की दिशा बदल सकती है। कई बार हम बिना सोचे-समझे कुछ ऐसा करते हैं जो हमारे जीवन पर गहरा असर डालता है। सुबह-सुबह शीशा देखना भी ऐसी ही एक आदत है, जिसे अधिकतर लोग बिना किसी सोच के करते हैं। बताया कि सुबह के समय शीशा देखना केवल एक व्यवहार नहीं, बल्कि ऊर्जा के स्तर पर एक बड़ी भूल हो सकती है। आइए जानते हैं कि इस आदत के पीछे क्या छिपा है और ये आपके जीवन को किस तरह प्रभावित कर सकती है।

क्यों खास होता है सुबह का समय?

सुबह का समय केवल नींद से जागने का नहीं होता, यह वो क्षण होता है जब शरीर और मन दोनों एक नये दिन के लिए तैयार होते हैं। इस समय पर आपके भीतर की ऊर्जा संतुलन बना रही होती है। ऐसे में अगर आप उठते ही खुद को शीशे में देखती हैं, तो ये ऊर्जा एक गलत दिशा में मुड़ सकती है। पंडित बताते हैं कि शीशा यानी कांच का सीधा संबंध शुक्र ग्रह से होता है। शुक्र वह ग्रह है जो सौंदर्य, लालसा और भ्रम से जुड़ा हुआ है। यानी शीशा आपको वही दिखाता है, जो आप देखना चाहती हैं, न कि जो सच में है। ऐसे में दिन की शुरुआत ही एक तरह के भ्रम से होती है।

किन लोगों के पास नहीं ठहरती हैं मां लक्ष्मी?

जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

हिंदू धर्म ग्रंथों में अनेक पौराणिक कथाएं वर्णित हैं, जो न केवल ज्ञान का भंडार हैं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी देती हैं। ऐसी ही एक कथा मां लक्ष्मी और भृगु ऋषि से जुड़ी है, जिसमें बताया गया है कि मां लक्ष्मी ब्राह्मणों के घर क्यों स्थायी रूप से नहीं रहतीं।

ऋषि भृगु की परीक्षा

कथा के अनुसार, एक बार सभी ऋषि-मुनियों में यह विवाद हुआ कि तीनों देवताओं - ब्रह्मा, विष्णु और महेश में सबसे श्रेष्ठ कौन है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए ऋषि भृगु को चुना गया। सबसे पहले भृगु जी ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। उन्होंने न तो प्रणाम किया और न ही सम्मान दिखाया, जिससे ब्रह्मा जी नाराज हो गए। इसके बाद वे भगवान शिव के पास गए और वहां भी उन्होंने यही व्यवहार किया, जिससे शिव जी भी क्रोधित हो उठे। अंत में वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे। उस समय भगवान विष्णु योगनिद्रा में थे। भृगु ऋषि ने उन्हें जगाने की कोशिश की लेकिन जब वे नहीं उठे तो क्रोध में आकर उनकी छाती पर लात मार दी।

भगवान विष्णु का धैर्य

ऋषि के इस व्यवहार पर भी भगवान विष्णु शांत रहे। उन्होंने तुरंत भृगु के चरण पकड़ लिए और विनम्रता से बोले - 'क्या मेरी कठोर छाती से आपके पैर में चोट तो नहीं लगी?' यह देखकर ऋषि भृगु को निश्चित हो गया कि तीनों देवताओं में भगवान विष्णु ही सबसे श्रेष्ठ हैं।

मां लक्ष्मी का श्राप

हालांकि इस घटना से मां लक्ष्मी अत्यंत दुखी और क्रोधित हो गईं। उन्होंने भृगु ऋषि को श्राप दिया कि वे कभी भी ब्राह्मणों के घर नहीं जाएंगी और यही कारण है कि ब्राह्मणों को सामान्यतः संपत्ति और वैभव स्थायी रूप से प्राप्त नहीं होता।

3 राशियों के लिए जहर लेकिन इन लोगों के लिए अमृत है चांदी की अंगूठी

भारतीय संस्कृति में धातुओं का विशेष महत्व है। सोना जहां तेज, ऊर्जा और सूर्य से जुड़ा माना जाता है, वहीं चांदी को चंद्रमा और शुक्र ग्रहों का प्रतीक माना गया है। पुरुषों के लिए चांदी धारण करना न केवल परंपरा से जुड़ा है, बल्कि इसके स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन पर भी गहरे प्रभाव माने जाते हैं। ऐसे में आज हम जानेंगे कि पुरुषों को चांदी पहनना कितना जरूरी है और कब पहनना है। ने लोकल बताया कि वो पिछले 35 साल से ज्योतिषी का कार्यक है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुरुष अगर चांदी पहनते हैं तो यह उनके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

खासकर दाहिने हाथ में चांदी की अंगूठी या कड़ा धारण करने से मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि चांदी धारण करने से व्यक्ति के जीवन में ग्रहों का संतुलन बना रहता है। यह चंद्रमा और शुक्र ग्रह को मजबूत करती है। इसके फलस्वरूप व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि, यश और स्वास्थ्य में सुधार होता है। जिस हिसाब से सबसे जरूरी कर्क, वृषभ, वृश्चिक, तुला, और मीन राशि के जातकों के लिए चांदी पहनना जरूरी है। इन राशियों के जल तत्व से जुड़ी होने की बात होती है और चांदी इसी तत्व से जुड़ी है। उन्होंने यह भी बताया कि मेष, सिंह, और धनु राशि के जातकों को चांदी पहनने से पहले किसी ज्योतिषी से सलाह लेनी चाहिए, क्योंकि यह उनके लिए हानिकारक हो सकती है। आयुर्वेद में भी चांदी को शरीर के लिए लाभकारी माना गया है। यह वात, कफ और पित्त को संतुलित करने में सहायक होती है। नियमित रूप से चांदी पहनने से सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां कम होती हैं और त्वचा संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलती है। चांदी का असर केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण में भी सहायक है। नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर यह मन में स्थिरता और धैर्य लाती है। जो आपके स्वास्थ्य और विचारों को शुद्ध रखने का काम करता है।

हरिद्वार अर्धकुंभ में साधु-संन्यासियों के साथ पहली बार होंगे 3 अमृत स्नान, तिथियों का हुआ ऐलान

साल 2027 में अर्धकुंभ मेला धर्म नगरी हरिद्वार में लगेगा। आपको बता दें कि साल 2027 में हरिद्वार का अर्धकुंभ मेला बेहद खास माना जा रहा है। हरिद्वार के अर्धकुंभ में अब तक आम लोग ही कुंभ के दौरान स्नान करते थे लेकिन साल 2027 में साधु-संन्यासी और अखाड़े भी अर्धकुंभ में डुबकी लगाएं। अमृत स्नान की तिथियां भी अखाड़ा परिषद के द्वारा निर्धारित कर दी गई हैं।

हरिद्वार अर्धकुंभ होगा ऐतिहासिक

हरिद्वार में होने वाला अर्धकुंभ मेला बेहद ऐतिहासिक माना जा रहा है। 2027 में पहली बार ऐसा होगा जब साधु-संन्यासियों के साथ वैरागी और उदासीन आखाड़े तीन अमृत या शाही स्नान करेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भी आप इस बात को सुनिश्चित कर दिया है। अखाड़ा परिषद के द्वारा साल 2027 में होने वाले अर्धकुंभ के दौरान अमृत स्नान करने की तिथियों का भी ऐलान कर दिया गया है।

अर्धकुंभ 2027 में अमृत स्नान की तिथियां

अखाड़ा परिषद के अनुसार हरिद्वार अर्धकुंभ का पहला शाही स्नान 6 मार्च को महाशिवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान किया जाएगा। इसके बाद दूसरा स्नान सोमवती अमावस्या पर होगा जोकि 8 मार्च को है। अंतिम अमृत स्नान के लिए मेष संक्रांति का दिन तय किया गया है जोकि 14 मार्च को है।

इससे पहले मकर संक्रांति पर भी स्नान किया जाएगा लेकिन इसे अमृत स्नान की श्रेणी में नहीं रखा गया है। आपको बता दें कि सरकार के द्वारा अभी अमृत स्नान की तारीखें घोषित नहीं की गई हैं लेकिन कुछ समय के उपरांत यह औपचारिकता भी पूरी कर दी जाएगी। सरकार की घोषणा के बाद ही अमृत स्नान के लिए बंदोबस्त की तैयारियां भी शुरू होंगी।

क्यों खास है हरिद्वार अर्धकुंभ 2027?

हरिद्वार में होने वाला अर्धकुंभ मेला अब तक केवल श्रद्धालुओं के स्नान तक ही सीमित रहा है। इसका कारण यह है कि जिस साल हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन होता है उस साल उज्जैन या फिर त्र्यंबकेश्वर नासिक में सिंहस्थ पर्व मनाया जाता है। इसलिए हरिद्वार की बजाए संन्यासियों के अखाड़े उज्जैन या फिर त्र्यंबकेश्वर कूच कर जाते थे, क्योंकि अर्धकुंभ और सिंहस्थ पर्व लगभग कुछ दिनों की अंतराल में ही आयोजित होते थे। हालांकि साल 2027 में हरिद्वार में अर्धकुंभ मार्च-अप्रैल में है जबकि नासिक में सिंहस्थ पर 2027 जुलाई अगस्त में होगा। ऐसे में अखाड़ा परिषद को दोनों आयोजनों में हिस्सा लेने में आसानी होगी। इसीलिए साल 2027 के हरिद्वार अर्धकुंभ को विशेष माना जा रहा है और इस बार हरिद्वार में भी लोग अमृत स्नान का भव्य दृष्य देख पाएंगे।

चाणक्य की नीति

गधे की इन 3 आदतों से लें सीख बना सकती हैं आपको कामयाब!

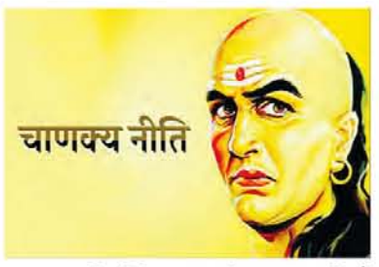

चाणक्य की नीतिः आचार्य चाणक्य, जिन्हें राजनीति और जीवन के कूटनीतिज्ञ के रूप में जाना जाता है, ने जीवन में सफलता पाने के कई अमूल्य सूत्र दिए हैं। उनकी चाणक्य नीति में गधे से जुड़ी तीन खास आदतों का उल्लेख है, जिन्हें अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में स्थिरता, संतोष और सफलता हासिल कर सकता है। चाणक्य का मानना था कि इंसान हर किसी से कुछ न कुछ सीख सकता है चाहे वह व्यक्ति हो या जानवर। गधे को अक्सर सुस्त और आलसी माना जाता है, लेकिन उनके तीन गुण आज भी हमारे लिए प्रेरणा बन सकते हैं।

लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता

गधे की इस लगन से चाणक्य ने इंसान को संदेश दिया कि जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना कितना जरूरी है। चाहे परिस्थितियाँ कठिन हों या लोग हतोत्साहित करने की कोशिश करें अगर आप अपने उद्देश्य के प्रति लगातार प्रयास करते रहें, तो सफलता निश्चित है। आलस और डर को अपने रास्ते में नहीं आने दें।

गधा जो भी मिलता है, उसे संतोष से स्वीकार करता है। चाणक्य कहते हैं, संतोष और धैर्य ही व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। परिणाम की चिंता किए बिना मेहनत करें, यही सफलता की कुंजी है। जीवन में संतोष रखने वाला व्यक्ति मुश्किल हालात में भी स्थिर रहता है और छोटे-छोटे प्रयासों को जोड़कर बड़े परिणाम पा सकता है।

मेहनत और निरंतरता

गधा बिना आलस किए लगातार काम करता है। चाणक्य का कहना है कि इंसान को भी आलस्य छोड़कर निरंतर मेहनत करनी चाहिए। छोटे प्रयास भी समय के साथ बड़े परिणाम में बदल जाते हैं। लगातार मेहनत करने वाले व्यक्ति को अंततः सफलता अवश्य मिलती है। इन तीन आदतों लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता, संतोष और धैर्य, और निरंतर मेहनत को अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में बदलाव ला सकता है। चाणक्य की यह नीति आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उनके समय में थी। गधे से सीखें ये सरल लेकिन असरदार गुण और अपने जीवन को सफलता की राह पर ले जाएँ।

घर में यहां पितरों की तस्वीर लगाना है महापाप

पितृ पक्ष चल रहा है जिसका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। इस दौरान इंटरनेट पर इस बारे में खूब सर्च हो रहा है कि पितरों की तस्वीर किस दिशा में लगानी चाहिए। तो आपको बता दें पितरों की तस्वीर से जुड़े कई जरूरी नियम वास्तु शास्त्र में बताए गए हैं। जिनका पालन कर आप अपना जीवन सुख से भर सकते हैं। चलिए जानते हैं वास्तु अनुसार पितरों की फोटो को लगाने की सही दिशा और नियम क्या हैं। पितरों की तस्वीर हमेशा दक्षिण दिशा की दीवार पर लगानी चाहिए क्योंकि ये दिशा पितरों की मानी जाती है। कहते हैं इस दिशा में पूर्वजों की फोटो लगाने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितरों की फोटो कभी भी पूर्व, उत्तर और पूर्वोत्तर दिशा में नहीं लगानी चाहिए। कहते हैं इससे पाप लग जाता है। वास्तु शास्त्र अनुसार पितरों की तस्वीर कभी भी देवी-देवताओं की मूर्ति के साथ नहीं लगानी चाहिए। इससे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही घर में कलह का माहौल रहता है। इसके अलावा बेडरूम, रसोई घर, मुख्य द्वार या घर के मंदिर में भी पितरों की तस्वीर लगाने से बचना चाहिए। कहते हैं ऐसा करना अशुभ माना जाता है। पूर्वजों की तस्वीर घर के ड्राइंग रूम में लगानी चाहिए। पितरों की तस्वीर समय-समय पर साफ करते रहें। उस पर धूल-मिट्टी इकट्ठा न होने दें। साथ ही उसकी माला भी बदलते रहें।

'एक वादा पूरा हुआ', कृति सेनन ने गुदवाया उड़ती चिड़िया का टैटू, बताई वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच कृति ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने पहले टैटू की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं। कृति के इस पोस्ट पर रश्मिका मंदाना ने अपना रिएक्शन शेयर दिया है।

कृति का टैटू

कृति सेनन ने आज इंस्टाग्राम पर अपने पहले टैटू की तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही बताया कि वह यह काम कभी नहीं करने वाली थीं, लेकिन उन्होंने अपने बाएं पैर में एक उड़ती हुई चिड़िया का टैटू गुदवाया लिया है। इन सभी शानदार तस्वीरों को कृति ने इंस्टाग्राम पर शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है।

कृति ने टैटू को लेकर बताई वजह

कृति ने लिखा, 'कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा करूंगी, लेकिन कभी नहीं कहना। बस अभी-अभी टैटू बनवाया है। एक वादा पूरा हुआ। एक अनुस्मारक कि मैं ऊंची उड़ान भर सकती हूं.. सूर्योदय तक।' कृति की इस पोस्ट पर रश्मिका मंदाना ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है।

कृति की फैंस को सलाह

'आगे कृति सेनन ने लिखा, 'उन सभी के लिए जिनकी आंखों में सपने हैं...वह छलांग लगाओ जिससे आप डरते हैं..यह आसान नहीं हो सकता है, लेकिन आपको अपने पंख मिल जाएंगे, आपको अपने लिए मिल जाएगी, आप उड़ना सीख जाएंगे।' आगे कृति ने टैटू मेकर को धन्यवाद भी लिखा।

कृति का वर्कफ्रंट

कृति सेनन जल्द ही फिल्म 'तेरे इश्क में' नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल. राय ने किया है। इस फिल्म में दक्षिण सुपरस्टार धनुष और बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन पहली बार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म हिंदी और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

ताहिरा कश्यप ने आयुष्मान खुराना को दी जन्मदिन की बधाई, बताया पति को 'पसंदीदा कॉफी पार्टनर'

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज आयुष्मान का 41वां जन्मदिन है। इस खास दिन को आयुष्मान की पत्नी और लेखिका ताहिरा कश्यप ने अपनी शानदार पोस्ट से और भी खास बना दिया है। ताहिरा कश्यप आज इंस्टाग्राम पर अपने पति और बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के जन्मदिन पर कई अलग-अलग तस्वीरें शेयर कीं और उन्हें अपना 'पसंदीदा कॉफी पार्टनर' बताया। उन्होंने लिखा, 'आयुष्मान अपने अलग-अलग अंदाज से हमेशा ताजगी लाते हैं और उनके साथ जिंदगी खुशियों से भरी है।' एक तस्वीर में दोनों कॉफी पीते हुए रोमांटिक पल में नजर आए, जबकि बाकी तस्वीरों में आयुष्मान का बिंदास और आकर्षक अंदाज दिखाई दिया। ताहिरा की इस पोस्ट पर आयुष्मान खुराना ने लाल दिल वाला इमोजी बनाया है। वहीं कई फैंस ने आयुष्मान खुराना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और साथ ही लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए। आयुष्मान को उनके जन्मदिन पर कई लोगों से बधाइयां मिलीं, जिसमें उनकी 'थामा' को-स्टार रश्मिका मंदाना की खास बधाई भी शामिल है। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आयुष्मान के साथ कार में ली गई एक तस्वीर शेयर की और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

घर पर हमले के बाद न्यूयॉर्क से दिशा पाटनी का पहला पोस्ट, यूजर्स ने याद दिलाया गोल्डी बरार का नाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों सुर्खियों में हैं। वजह कोई फिल्म या नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित उनके घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना है। शुक्रवार सुबह अचानक हुई इस वारदात ने उनके परिवार और फैंस को सख्ते में डाल दिया। दिशा ने खुद इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जरूर शेयर किया है।

दिशा का ग्लैमरस अंदाज

वारदात के दो दिन बाद दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर न्यूयॉर्क फैशन वीक से अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वो इंटरनेशनल ब्रांड के स्प्रिंग कलेक्शन 2026 के लिए डिजाइनर वेरोनिका लियोनी के ब्लैक बैकलेस गाउन में बेहद स्टाइलिश नजर आ रही थीं।

परिवार और प्रशंसकों की चिंता

हालांकि, बरेली में मौजूद उनका परिवार इस पूरे घटनाक्रम से बेहद दहशत में है। पिता जगदीश पाटनी ने साफ कहा है कि पुलिस हर संभव कदम उठा रही है लेकिन परिवार अब भी डरा हुआ है। इधर, फैंस लगातार दिशा

की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें कमेंट्स में गोल्डी बरार और रोहित गोदारा की याद दिलाई।

बरेली में मचा हड़कंप

दरअसल, बरेली के सिविल लाइंस इलाके में स्थित दिशा पाटनी के घर के बाहर दो अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की। गोलीबारी इतनी तेज थी कि इलाके में अफरातफरी मच गई। शुरुआती जांच में बताया गया कि हमलावरों ने 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं, जिनकी आवाज दूर तक सुनाई दी। दिशा के पिता जगदीश पाटनी ने भी इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हथियार देसी नहीं बल्कि विदेशी थे। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस, एसएसपी और एडीजी स्तर के अधिकारी खुद मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

हमले की जिम्मेदारी

इस घटना की जिम्मेदारी गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि यह कार्रवाई धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की वजह से की गई है। उन्होंने धमकी भरे लहजे में यह भी लिखा कि यह सिर्फ ट्रेलर था और अगर आगे भी धर्म या संतों का अपमान हुआ तो अंजाम और भी बड़ा होगा। हालांकि, पुलिस अभी तक यह साफ नहीं कर पाई है कि वास्तव में इसके पीछे कौन है।

सेलेब्रिटीज पर बढ़ रहा खतरा

यह पहली बार नहीं है जब किसी बड़े स्टार को इस तरह के हमले का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले सलमान खान और कपिल शर्मा जैसे कलाकारों को भी गैंगस्टरों की धमकियों और फायरिंग का सामना करना पड़ा था। अब दिशा पाटनी के मामले ने एक बार फिर फिल्म इंडस्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लक्ष्मी मांचू ने ऑनलाइन सट्टेबाजी एप विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'मैं बहुत परेशान थी'

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उस समय सुर्खियों में आ गई थीं, जब उन्हें ईडी द्वारा समन भेजा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार इनपर कथित तौर पर अवैध तरीके से पैसा जुटाने वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट देने का आरोप था। इसी के बाद से एक्ट्रेस विवादों में घिर गई थीं। अब उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

लक्ष्मी मांचू हाल ही में एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। यहा उन्होंने अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यह ईडी की बैठक है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि हमारी सरकार उस व्यक्ति के पीछे पड़ जाएगी। मैं सोचती हूं, भाई देखो तो इसकी शुरुआत किसने की थी।

केस को गलत तरीके से पेश किए जाने पर निराश

आगे उन्होंने कहा, मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि लोग कुछ भी बोलते हैं, हमने जो किया वो कुछ और है। बेचारे, वो तो सच में इस बात की जांच कर रहे हैं कि पैसा कहां जा रहा है। 100 और सेलिब्रिटीज ऐसा करते हैं। वो मुझे कोई और सेलिब्रिटी दिखाते हैं, जिसने ऐसा किया है और फिर मेरे पास आते हैं, है ना? ये तो बस एक मिनट की बात है।

इन एक्टर्स पर लगे आरोप

ईडी इन दिनों ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए अवैध तरीके पैसा जुटाने मामले पर जांच कर रही है। इसी मामले के तहत लक्ष्मी मांचू के अलावा राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और विजय देवरकोंडा जैसी कई हस्तियां जांच के दायरे में आए थे। ईडी के सोर्स के अनुसार इन सेलिब्रिटी पर जंगली रम्मी, जीतविन, लोटस365 जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट करने का शक था। हालांकि, कई एक्टर्स ने इन एप्स का प्रचार भी किया था। सूत्रों के अनुसार ही बेटिंग प्लेटफार्म पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए से करोड़ों रुपये का अवैध पैसा हासिल किया गया है। अभी भी इसकी जांच चल रही है।

साउथ अभिनेत्री ने सोशल मीडिया को कहा अलविदा बोलीं- सिनेमा को देना चाहती हूं समय

मलयालम और तमिल सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने अभिनय और फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करने का ऐलान किया है। ऐश्वर्या का कहना है कि वक्त के साथ उन्होंने महसूस किया कि सोशल मीडिया ने उनकी असली सोच और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को उनसे छीन लिया है।

सोशल मीडिया से मिली राहत

ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि लंबे समय तक उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया जरूरी है। इंडस्ट्री में बने रहने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए उन्होंने भी इस तरीके को अपनाया। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि यह प्लेटफॉर्म उनके काम में बाधा बन रहा है। ये ना सिर्फ उनकी तैयारी को प्रभावित कर रहा था, बल्कि उनके निजी जीवन की सहजता भी खो रही थी।

उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि इंटरनेट की चमक-दमक में फंसकर वह उस ओर मुड़ गईं जो असल में उन्हें करना ही नहीं था। लगातार लाइक और कमेंट्स की होड़ में उनकी भाषा, सोच और अनुभव कहीं न कहीं पीछे छूट गए।

खुद के लिए लिया बड़ा फैसला

अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया छोड़ना उनके जीवन का पहला मौलिक विचार है, जिसे उन्होंने पूरी तरह अपनाया। उनका मानना है कि कलाकार को किसी सांचे में ढालकर नहीं देखा जाना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनकी पहचान उनके अभिनय और सिनेमा से बने, न कि सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट्स और ट्रेंड्स से। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस फैसले के बाद शायद लोग उन्हें भूल जाएं, लेकिन वह इस जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं।

सिनेमा पर देना चाहती हैं ध्यान

ऐश्वर्या ने साफ किया कि अब उनका लक्ष्य सिनेमा बनाना और जीना है। वह चाहती हैं कि आगे की उनकी फिल्मों में वही गहराई और संवेदनशीलता झलके, जिसे वह अपनी असल जिंदगी में महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में वह सचमुच कुछ बेहतर रचनाएं करती हैं, तो दर्शक उन्हें पुराने अंदाज में प्यार दें।

ऐश्वर्या का फिल्मी सफर

करियर की बात करें तो ऐश्वर्या लक्ष्मी ने मलयालम और तमिल फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कुछ तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है।

हाल ही में वह सूरी के साथ मामन और कमल हासन व सिलंबरासन टीआर के साथ थग लाइफ में नजर आई थीं। आने वाले समय में वह तमिल फिल्म 'गट्टा कुश्ती 2', मलयालम फिल्म 'आशा' और तेलुगु फिल्म SYG में नजर आने वाली हैं।

अवैध सट्टेबाजी केस में फंसीं उर्वशी रौतेला और मिमि चक्रवर्ती, ईडी ने भेजा समन

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और बंगाली सिनेमा से राजनीति में कदम रखने वाली मिमी चक्रवर्ती को समन भेजा है। यह समन अवैध बेटिंग ऐप मामले से जुड़ा है। दोनों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे।

कब और क्यों भेजा गया समन?

ईडी की जांच में सामने आया कि कई ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म्स गैरकानूनी तरीके से भारत में अपना कारोबार फैला रहे हैं। इन्हीं में से एक है 1xBet, जिसके विज्ञापनों और

प्रचार-प्रसार में कई बड़े चेहरे जुड़े पाए गए। जानकारी के मुताबिक मिमी चक्रवर्ती को 15 सितंबर और उर्वशी रौतेला को 16 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए गए हैं। जांच एजेंसी ये समझना चाहती है कि आखिर इन सितारों की भूमिका इन एप्स के प्रचार और पब्लिसिटी में किस हद तक रही है।

पहले भी कई नाम आ चुके हैं सामने

बता दें यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी ईडी ने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना से पूछताछ की थी। माना जाता है कि इन सभी से ये जानने की कोशिश की गई कि आखिर ये सितारे किन शर्तों और डील्स के तहत इन बेटिंग कंपनियों से जुड़े थे।

कैसे काम करते हैं ये एप्स?

ईडी के अधिकारियों ने कोर्ट और मीडिया में ये साफ किया था कि ये प्लेटफॉर्म शुरुआत में खुद को स्किल बेस्ड गेमिंग के तौर पर प्रचारित करते हैं। आकर्षक ऑफर्स और मशहूर चेहरों की मौजूदगी से यूजर्स को लुभाया जाता है। लेकिन असलियत में इन एप्स का एल्गोरिद्म धोखाधड़ी से भरा होता है। ये एप्स पूरी तरह से बैन होने के बावजूद अलग-अलग डोमेन्स और माध्यमों से लोगों तक पहुंच बना लेते हैं।

मिमी और उर्वशी के लिए मुश्किलें क्यों बढ़ीं?

फिल्म और राजनीति दोनों दुनिया की पहचानी जाने वाली ये हस्तियां अब जांच एजेंसियों के सवालों के घेरे में हैं। माना जा रहा है कि ईडी यह पता करना चाहती है कि कहीं इनके नाम और चेहरे का इस्तेमाल अवैध कमाई को वैध ठहराने या जनता को आकर्षित करने के लिए तो नहीं किया गया।

मिमी चक्रवर्ती जहां बंगाल की राजनीति में सक्रिय सांसद हैं, वहीं उर्वशी रौतेला बॉलीवुड की लोकप्रिय अदाकारा हैं। ऐसे में दोनों का नाम सामने आना केस को और गंभीर बना देता है।

इस वजह से बच्चों की फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं इलियाना, खुद किया खुलासा

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने साल 2012 में फिल्म 'बर्फी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह कई फिल्मों में नजर आईं। बॉलीवुड में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। अब फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से दूर इलियाना अपने पति माइकल डोलन और अपने दो बच्चों के साथ टेक्सास में पारिवारिक जीवन जी रही हैं।

हाल ही में इलियाना डिक्रूज फिल्म 'दो और दो प्यार' में नजर आई थीं। अभिनय में दिलचस्पी रखने वाली इलियाना ने पैपराजी से दूरी बनाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में इलियाना ने अपने बच्चों के साथ भारत में तस्वीरें खिंचवाने की संभावना के बारे में खुलकर बात की।

बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं इलियाना

उन्होंने कहा 'अपने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाना मुश्किल होता। यह बच्चों के लिए उलझन भरा होता। यह उनके साथ अन्याय है क्योंकि वे समझ ही नहीं पाते कि क्या हो रहा है। मैं बच्चों की फोटो खिंचवाने के पक्ष में नहीं हूं।'

बच्चों की भावना बिगड़ सकती है

उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि उनके बच्चे, जो अभी बहुत छोटे हैं, शायद लगातार पीछा किए जाने और तस्वीरें खींचे जाने की बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाएंगे। उनका मानना है कि इस तरह का अत्यधिक ध्यान उनकी सामान्यता की भावना को बिगाड़ सकता है।

रजनीकांत की 'कुली' में काम करना आमिर खान की सबसे बड़ी गलती? टीम ने मामले पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अक्सर अपनी फिल्मों के अलावा बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। मगर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा हो रही थी कि आमिर खान ने रजनीकांत की हालिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुली' पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। यह अफवाह इतनी तेजी से फैली कि आमिर और रजनीकांत के फैंस के बीच बहस छिड़ गई। लेकिन अब खुद आमिर खान की ओर से इन खबरों का स्पष्ट खंडन किया गया है।

आमिर खान की ओर से आया आधिकारिक बयान

आमिर खान की टीम ने मीडिया और दर्शकों के लिए एक आधिकारिक बयान जारी कर साफ कहा है कि अभिनेता ने कभी भी 'कुली' या इसके निर्माताओं के बारे में कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा, 'आमिर खान ने फिल्म 'कुली' पर कोई भी नकारात्मक बात नहीं कही है। उन्होंने न तो किसी इंटरव्यू में इस तरह की बात की है और न ही इस फिल्म की आलोचना की है। इसके उलट, वो रजनीकांत, निर्देशक लोकेश कनगराज और पूरी टीम के लिए गहरा सम्मान रखते हैं।'

अफवाहों की शुरुआत कहां से हुई?

दरअसल, कुछ पोर्टल्स पर यह दावा किया गया था कि आमिर खान फिल्म की कहानी और उसके फिल्मांकन से खुश नहीं हैं। यही खबर आगे बढ़कर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। चंद घंटों में ही ट्विटर (एक्स) और फेसबुक पर फैंस के बीच बहस छिड़ गई। रजनीकांत के समर्थक आमिर को ट्रोल करने लगे तो आमिर के फैन उनकी ओर से सफाई

देने लगे। इस विवाद को बढ़ता देख आमिर की टीम को हस्तक्षेप करना पड़ा।

'कुली' की शानदार सफलता

गौरतलब है कि कुली इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन चुकी है। लोकेश कनगराज के निर्देशन और रजनीकांत की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म अब तक 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का वैश्विक कारोबार कर चुकी है और लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। इसकी कहानी, एक्शन और रजनीकांत की करिश्माई स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शक हाथोंहाथ ले रहे हैं। यही कारण है कि इस फिल्म के खिलाफ कोई भी नकारात्मक खबर तुरंत चर्चा का विषय बन जाती है।

आमिर खान की फिल्म में मौजूदगी

आमिर खान ने 'कुली' में एक स्पेशल कैमियो किया है। यही वजह है कि जब यह खबर फैली कि उन्होंने फिल्म की आलोचना की है तो कई लोग हैरान रह गए। हालांकि अब सफाई के बाद यह मामला पूरी तरह शांत हो गया है।

'अमेरिका-ब्रिटेन में भी लोग हिंदी कहानियां देख रहे हैं' हिंदी दिवस के मौके पर बोले पंकज त्रिपाठी

हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, यह हमारी जड़ों और हमारी संवेदनाओं से जुड़ी हुई पहचान है। हिंदी दिवस के खास मौके पर पंकज त्रिपाठी ने बातचीत की। उन्होंने अपने करियर में हिंदी की भूमिका, बचपन की यादें और युवाओं के लिए इसकी अहमियत पर बेहद भावुक और ईमानदार तरीके से बातचीत की।

'मेरे लिए हिंदी सिर्फ भाषा नहीं है। ये मेरी पहचान है। मैं हिंदी सिनेमा का अभिनेता हूं; यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व है। भले ही मेरी मातृभाषा भोजपुरी रही हो, लेकिन हिंदी से जुड़ना, उसे पढ़ना, समझना, उसका उच्चारण सीखना। ये सब मेरे जीवन का हिस्सा बन गया। जब मैं स्क्रीन पर हिंदी बोलता हूं तो कभी-कभी ऐसे शब्द निकल आते हैं जो आजकल कम सुनाई देते हैं। शायद यही मेरी ताकत है। ऑडियंस का जो प्यार मुझे मिलता है, उसमें हिंदी की यही खूबसूरती शामिल है। हिंदी ने मुझे वो आवाज दी जिससे मैं अपने किरदार को दिल से जी पाता हूं।

बचपन में हम चंदा मामा जैसी कहानियां पढ़ते थे। कहीं कार्टून में महाभारत देख लिया था। आठवीं क्लास में मुझे महाभारत की हिंदी किताब मिली थी, टीका सहित। मैं उसे ऐसे पढ़ता था जैसे कोई खजाना मिल गया हो। फिर राहुल सांकृत्यायन का 'घुमक्कड़ शास्त्र' मिला। उसमें लिखा था कि घुमक्कड़ी जरूरी है। उस किताब ने मेरे सोचने का तरीका बदल दिया। गांव से निकलकर जब कला के क्षेत्र में आया तो महसूस हुआ कि भाषा ही वो पुल है जिसने मुझे यहां तक पहुंचाया। हिंदी ने मुझे सिर्फ शब्द नहीं दिए, बल्कि एक पहचान और आत्मविश्वास भी। इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। हिंदी सिर्फ भाषा नहीं है। ये हमारी भावनाओं का रास्ता है। अगर आप हिंदी इलाकों से हैं और अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कह पाए तो आधे मन की बात दिल में ही रह जाती है। आज सबसे बड़ी समस्या संवाद की है। हम अपनी भावनाएं कह नहीं पाते क्योंकि शब्दों का साथ नहीं होता। अगर युवा हिंदी से जुड़े रहेंगे तो वे अपना मन साफ कह पाएंगे, अपने दिल की बात खोलकर रख पाएंगे। यह भाषा हमें जोड़ती है, समझने का रास्ता देती है। यही हमारी ताकत है। यही हमारी पहचान है। बता दें आखिरी बार पंकज फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें पंकज त्रिपाठी के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, नीना गुप्ता आदि कलाकार हैं।

मा0 उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार

श्री बृजेश पाठक जी

का आज

दादरी विधानसभा के

ग्राम रहदरा

में आगमन पर

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है।

श्री बृजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री (उ. प्र. सरकार)

डॉ. महेश शर्मा

सांसद, गौतमबुद्धनगर

गोविन्द शर्मा (पिंकी पंडित)

प्रान्तीय सहायक सचिव

अपराध निरोधक समिति (लखनऊ)